सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

वर्ष- 14, अंक - 294 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 6 अगस्त 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

446 करोड़ की लागत से संवारा जाएगा हाईवे, रास्ते में दिखेंगे राममंदिर से जुड़े प्रतीक

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी से अयोध्या के बीच रामभक्तों की राह आसान बनाने के लिए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) करीब 446 करोड़ रुपये खर्च करेगा। हाईवे को इस तरह संवारा जाएगा कि यात्रा सुगम होने के साथ पूरा मार्ग राममय नजर आए। इसके लिए अलग-अलग जगहों पर अयोध्या के ऐतिहासिक महत्व और राममंदिर से जुड़े प्रतीक भी लगाए जाएंगे। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है। एनएचएआई अधिकारियों का कहना है कि इसी महीने टेंडर प्रक्रिया पूरी कर सितंबर में काम शुरू कराने की तैयारी है। 2024 की शुरुआत में काम पूरा कराने का लक्ष्य है।

113 किमी लंबे लखनऊ-अयोध्या 4 लेन हाईवे (एनएच 27) को नए सिरे से बनाने के अलावा डिवाइडर और साइड पटरी को भी ठीक कराया जाएगा। लखनऊ से अयोध्या के बीच विशेष रूप से तैयार साइनेज भी लगाए जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि जनवरी के चौथे सप्ताह में नवनिर्मित राममंदिर परिसर में रामलला के दर्शन शुरू हो सकते हैं। इससे पहले ही हाईवे को ठीक करने का काम पूरा करना है। इसके लिए लिए पूरे काम को दो भागों में बांटा गया है। पैकेज-1 का काम लखनऊ से अयोध्या के बीच 60 किमी और पैकेज-2 का काम 53 किमी में कराया जाएगा। इसके लिए दो अलग-अलग कंपनियों को काम दिया जा सकता है। काम पूरा करने का समय भी अधिकतम छह महीने ठेकेदार कंपनी को दिया जाएगा। हाईवे संवरने के बाद लखनऊ के मटियारी से अयोध्या बाईपास को जोड़ने का काम होगा। अयोध्या बाईपास को छह लेन बनाने का काम एनएचएआई पहले ही शुरू करा चुका है।

बड़े वोट-बैंक में सेंधमारी करने जुटी पार्टियां

महिलाओं, युवा, ओबीसी को लुभाने की कोशिश, ठेला-गुमटी वालों की भी होगी पूछपरख

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश की आधी आबादी अर्थात् महिलाओं के बीच पकड़ मजबूत करने के लिए किलेबंदी शुरू कर दी है। इसके लिए त्यौहारों का सहारा लेने का फैसला लिया गया है। आने वाले दिनों में सावन उत्सव और रक्षाबंधन के पर्व महिलाओं के साथ मनाए जाने की तैयारी है। इसके अलावा भी कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दूसरी ओर पार्टी ओबीसी वर्ग को लुभाने में भी जुट गई है। समाज के निचले तबके के लोगों तक पहुंचने के लिए भी अभियान चलाए जाने की खबर है।

अगले विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए भाजपा ने त्योहारों के सहारे महिला मतदाताओं तक पहुंचने का निर्णय लिया है। प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा 31 अगस्त तक सावन उत्सव और रक्षाबंधन का उत्सव महिलाओं के साथ मनाएंगी। इसके लिए पार्टी कई खास कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। भाजपा का मानना है कि विधानसभा की चुनाव में बंपर जीत यानी मिशन 2023 के लिए महिलाओं के बीच गहरी पैठ सबसे अधिक जरूरी है। मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने बताया कि केंद्र सरकार की 15 बड़ी योजनाओं को लेकर महिलाओं के बीच मोर्चा लगातार पहुंच रहा है। प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत के मुताबिक इनमें बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ, अभियान से लेकर महिला शक्ति केंद्र योजना, सक्षम योजना, स्वावलंबन योजनाओं से महिलाओं को जोड़ा जा रहा है। महिला मोर्चा ने राज्य स्तर पर शराबबंदी को लेकर आंदोलन करने के बाद अब जिलों में आंदोलन करने का निर्णय लिया है। अगस्त में कई आंदोलन होंगे। इसके बाद सितंबर में महिलाओं से संपर्क साधने के लिए संपर्क अभियान चलाया जाएगा।

नव मतदाता सम्पर्क अभियान

विधानसभा चुनाव से पहले युवा मतदाताओं को साधने के लिए राजनीतिक दलों ने ताकत झोंक दी है। प्रदेश भाजयुमो ने विधानसभा चुनाव के लिए नव मतदाता संपर्क अभियान कार्यक्रम तेज किया है। भाजयुमो के 15 अगस्त तक हर नए मतदाता तक पहुंचने का लक्ष्य है। भाजयुमो प्रदेश के कालेजों, हास्टल से लेकर बूथ स्तर पर अभियान चला रहा है। छत्तीसगढ़ में युवा वोटरों की संख्या 46.96 लाख यानी प्रदेश के कुल मतदाताओं में इस वर्ग की 23 प्रतिशत जनसंख्या है। इसमें 18 से 19 वर्ष के नए मतदाताओं की संख्या 4.10 लाख है। जाहिर है कि युवा वोटरों की इस विधानसभा चुनाव में अहम भूमिका रहेगी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2023 के लिए मतदाता सूची तैयार की जा रही है। एक अक्टूबर 2023 की स्थिति में 18 वर्ष पूरा करने जा रहे युवाओं के लिए खुशखबरी है। ऐसे युवा दो से 31 अगस्त तक चलने वाले विशेष अभियान मतदाता सूची में नाम जुड़वा सकेंगे।

कांग्रेस टटोल रही शहरी मतदाताओं का मन

विधानसभा चुनाव से पहले शहरी वोटरों का मन टटोलने के लिए कांग्रेस ने सर्वे शुरू किया है। इसके लिए कांग्रेस ने एक हितग्राही फार्म बनवाया है। इसमें पूछा जा रहा है कि सरकार की कौन-कौन सी योजना का लाभ ले रहे हैं। अंत में एक नंबर पर मिस्ड काल भी करना है। ऐसा करके पार्टी शहरी वोटरों तक पहुंचने की राह तलाश रही है। प्रदेश की शहरी क्षेत्र की सात विधानसभा सीट रायपुर दक्षिण, वैशाली नगर, राजनांदगांव, धमतरी, बिल्हा, बेलतरा और भाठापारा को छोड़कर सभी सीट पर कांग्रेस विधायक हैं। पिछले चुनाव में भाजपा ने प्रदेश की 90 में से सिर्फ 15 सीट पर जीत दर्ज की थी। इसमें से सात सीटें शहरी वोटरों के प्रभाव वाली है। कांग्रेस की कोशिश शहरी वोटरों के प्रभाव वाली सीटों को अपने पाले में करने की है। इस पूरी कवायद को इसी की पहली कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा ने जिन शहरों मतदाताओं वाली सीट पर जीत दर्ज की है, उसमें राजनांदगांव से पूर्व मुख्यमंत्री डा रमन सिंह, रायपुर दक्षिण से बृजमोहन अग्रवाल, बिल्हा से धरमलाल कौशिक और भाठापारा से शिवरतन शर्मा भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं। बिल्हा और बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में बिलासपुर नगर निगम के कुछ वार्ड आते हैं। कांग्रेस की लहर में भी इन नेताओं ने अपनी सीट बचाने में सफलता पाई थी। यहां बता दें कि दंतेवाड़ा विधायक भीमा मंडावी की नक्सली हमले में मौत के बाद हुए उपचुनाव में यहां भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। वहीं वैशाली नगर के विधायक विद्यारतन भसीन की मृत्यु के बाद अब भाजपा के 13 विधायक बचे हैं। शहरी वोटरों को कांग्रेस और भाजपा की सरकार का फर्क भी बताया जा रहा है। इसके लिए एक पंपलेट तैयार किया गया है। इसमें रमन सरकार की 15 साल की असफलता और भूपेश सरकार की साढ़े चार साल की उपलब्धि का जिक्र हैं। यह पंपलेट सभी नगरीय निकायों में बांटा जा रहा है।

ओबीसी को लुभाने की कोशिश

छत्तीसगढ़ भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा (ओबीसी) ने विभिन्न जिलों में सम्मेलन के जरिए मतदाताओं को साधने का निर्णय लिया है। कुछ जिलों में इसकी तारीख तय हो गई है। रविवार छह अगस्त को रायपुर, 12 को दुर्ग और 18 को महासमुंद में भाजपा ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारी सम्मेलन करने जा रहे हैं। ओबीसी मोर्चा समाज प्रमुखों को साधने के लिए हर सम्मेलन में 25-25 संगठनों को साध रहा है। जिन जिलों में सम्मेलन होगा वहां के सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों समेत समाज के वरिष्ठजनों व अन्य लोगों को एकत्रित किया जाएगा। इन सम्मेलनों में भाजपा अपने विकास के एजेंडों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नौ वर्ष के कामकाजों से अगवत कराएगी। पूरे अगस्त तक यह सिलसिला चलेगा। सितंबर में समाज प्रमुख, ठेला, गुमटी, रिक्शा आटो चालको से मिलेंगे व घर-घर संपर्क अभियान चलाएंगे। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भरत वर्मा ने बताया कि 2023 में छत्तीसगढ़ में सरकार बनाने के लिए भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से घर-घर दस्तक दे रहा है। हम लोगों को कांग्रेस द्वारा घोषणा पत्र की वादाखिलाफी के बारे में प्रदेश की जनता को बताएंगे।

उद्घाटन में विपक्ष के कई नेताओं को नहीं बुलाएगा ट्रस्ट, मुख्यमंत्रियों को भी नहीं मिलेगा मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या में भगवान राम के मंदिर के उद्घाटन को लेकर जोर शोर से तैयारियां की जा रही हैं। राम मंदिर के ऐतिहासिक उद्घाटन कार्यक्रम में देश-विदेश के बड़े-बड़े गणमान्य लोगों को बुलाए जाने की भी योजना है। देश के प्रमुख विपक्षी दलों के कई शीर्ष नेताओं को भी उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया जाएगा लेकिन निमंत्रण देने से पूर्व ट्रस्ट इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहेगा कि जिन नेताओं को निमंत्रण भेजे जाएं, वे कार्यक्रम में अवश्य पहुंचें। निजी व्यस्तता या किसी अन्य कारण से जो लोग नहीं आ सकेंगे, उन्हें निमंत्रण नहीं दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति और उद्घाटन का बेहद महत्वपूर्ण अवसर होने के कारण इस अवसर पर पूरे अयोध्या की सुरक्षा व्यवस्था बेहद चुस्त रहेगी। प्रधानमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए एसपीजी के जवान पूरे परिसर की सुरक्षा को पहले ही अपने कब्जे में ले लेंगे।

गृभगृह के पास होगी मेहमानों के बैठने की व्यवस्था

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट सूत्रों के अनुसार, राम मंदिर के उद्घाटन के समय कोई बड़ा मंच नहीं बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कुछ गणमान्य व्यक्तियों के लिए सीमित मात्रा में कुर्सियों की व्यवस्था की जाएगी। शेष मेहमान सामने बने पांडाल कक्ष में होंगे। गर्भगृह के पास लगभग पांच हजार कुर्सियों की व्यवस्था होगी। ऐसे में ट्रस्ट केवल उन्हीं लोगों को निमंत्रण भेजेगा जो कार्यक्रम में उपस्थित होंगे।

पीएम मोदी ने लॉन्च की अमृत भारत स्टेशन योजना

विश्वस्तर के बनेंगे छत्तीसगढ़ के 7 सहित देश के 508 स्टेशन

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये अमृत भारत स्टेशन योजना को लॉन्च किया। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पूरे भारत में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। इस मौके पर पीएम ने कहा कि विकसित होने के लक्ष्य की तरफ कदम बढ़ा रहा भारत अपने अमृत काल के प्रारंभ में है। नई ऊर्जा, प्रेरणा, संकल्प है। भारतीय रेल के इतिहास में भी एक नए अध्याय की शुरूआत हो रही है। भारत के करीब 1300 प्रमुख रेलवे स्टेशन अब अमृत भारत रेलवे स्टेशन के तौर पर विकसित किए जाएंगे और उनका पुनर्विकास आधुनिकता के साथ होगा

उन्होंने कहा कि इससे देश के सभी राज्यों को लाभ मिलेगा। उत्तर प्रदेश में करीब 4500 करोड़ रुपये के खर्च से 55 अमृत स्टेशन को विकिसत किया जाएगा। राजस्थान के भी 55 रेलवे स्टेशन अमृत रेलवे स्टेशन बनेंगे। उन्होंने रेल मंत्रालय की सराहना की और देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रेलवे में जितना काम हुआ है वह हर किसी को प्रसन्न और हैरान करती है। दुनिया में दक्षिण अफ्रीफ, यूक्रेन, पोलैंड, यूके और स्वीडन जैसे देशों में जितना रेल नेटवर्क है उससे अधिक रेल ट्रैक हमारे देश में इन 9 वर्षों में बिछाए गए हैं। साउथ कोरिया, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में कुल जितना रेल ट्रैक है उससे अधिक रेल ट्रैक भारत में अकेले पिछले साल बनाए हैं।

छत्तीसगढ़ के 7 रेलवे स्टेशन भी योजना में शामिल

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विश्व स्तर की सुविधाओं से लैस होने वाले स्टेशनों में छत्तीसगढ़ के 7 व दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कुल 9 रेलवे स्टेशनों को शामिल किया गया है। जिसमें बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, भिलाई पावर हाउस, अकलतरा, तिल्दा-नेवरा आदि शामिल हैं। सूची में असम के बोंगाईगांव, कोकराझार, लुमडिंग, मेघालय के मेंदीपाथर जैसे पूर्वोत्तर के स्टेशन भी शामिल हैं। बिहार के मुजफ्फरपुर, बापूधाम मोतिहारी के साथ-साथ केरल के शोरनूर और कासरगोड भी इस सूची में शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को इन अमृत भारत स्टेशन योजना को लॉन्च करते हुए इसे देश की महत्वाकांक्षी योजना बताई है।

राज्यवार शामिल स्टेशनों की संख्या

उत्तर प्रदेश: 55 स्टेशन
राजस्थान: 55 स्टेशन
बिहार: 49 स्टेशन
महाराष्ट्र: 44 स्टेशन
पश्चिम बंगाल: 37 स्टेशन
मध्य प्रदेश: 34 स्टेशन
असम: 32 स्टेशन
ओडिशा: 25 स्टेशन
पंजाब: 22 स्टेशन
गुजरात: 21 स्टेशन
तेलंगाना: 21 स्टेशन
झारखंड: 20 स्टेशन
आंध्र प्रदेश: 18 स्टेशन
तमिलनाडु: 18 स्टेशन
हरियाणा: 15 स्टेशन
कर्नाटक: 13 स्टेशन

सेंट्रल जेल पहुंचे चीफजस्टीस

जेल की व्यवस्था देखी, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से भी की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा शनिवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से पहुना गेस्ट हाउस में मिले। मुलाकात के दौरान शासन स्तर पर लंबित छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालयों के विभिन्न विषयों पर औपचारिक चर्चा हुई। बैठक के पश्चात मुख्य न्यायाधीश औचक निरीक्षण हेतु केंद्रीय जेल रायपुर पहुंचे। यहां उन्होंने पुरूष बंदीगृह के सभी बैरकों का निरीक्षण किया तथा महिला बंदीगृह का भी निरीक्षण किया। उन्होंने जेल के अस्पताल का भी निरीक्षण किया। जेल में स्थायी रूप से चिकित्सक की नियुक्ति के बारे में जानकारी ली और इसकी पुष्टि की । चिकित्सक से उन्होंने बंदियों को दी जा रही चिकित्सा सुविधा व दवाईयों की जानकारी ली तथा बंदियों से भी इस संबंध में पूछताछ की।

उन्होंने जेल में वीडियो कान्फ्रेंसिंग रूम, विधिक प्रकोष्ठ का निरीक्षण कर जानकारी प्राप्त की। जेल में केन्टिन, बंदियों द्वारा संचालित प्रिंटिंग प्रेस, सिलाई-बुनाई कक्ष, शिक्षा केन्द्र इत्यादि का भी निरीक्षण किया। बंदियों से बातचीत करते हुए जानकारी प्राप्त की कि उन्हें जेल मेन्युअल के अनुरूप सुविधाएँ मिल रही है या नहीं। बच्चों के साथ रहने वाले महिला बंदियों के बारे में उन्होंने जेल अधीक्षक से महिला बंदियों के बच्चों को मिलने वाली सुविधाएँ जैसे कि स्वास्थ्य, शिक्षा और उनके सर्वांगीण विकास हेतु व्यवस्था की जानकारी ली। जेल अधीक्षक के द्वारा बताया गया कि जेल में पहली कक्षा से लेकर बारहवीं कक्षा तक की पढ़ाई हेतु शासन से मान्यता प्राप्त स्कूल संचालित है जिसमें संस्कृत की शिक्षा भी दी जा रही है। मुख्य न्यायाधीश द्वारा स्कूल का भी निरीक्षण किया गया।

राहुल को राहत के बाद राजनीति

श्रीकंचनपथ

राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। शीर्ष अदालत ने राहुल के कन्विक्शन पर स्टे लगाया है, अर्थात दोषसिद्धि पर सवाल खड़े कर दिये हैं। अदालत ने यह भी कहा है कि गांधी को अधिकतम सजा क्यों दी गई, इसे भी सजा में स्पष्ट नहीं किया गया है। इस मामले में जो कुछ कहना होगा, अदालत ही कहेगी पर सेशन और हाईकोर्ट के फैसले के बाद आई सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के कई मायने हैं। अंग्रेजों के जमाने से ही एक सरकारी परिपाटी चली आ रही है लोगों को उनकी जाति से संबोधित करने की। पुलिस भी अपराधियों को दीपक बंगाली, राजू उड़िया, वेंकट तेलुगू कहती और लिखती रही है। देश में कई जातियां आपराधिक जातियों के रूप में चिन्हित हैं। वर्ण व्यवस्था के कट्टर समर्थक तो नहीं होते पर एक आम धारणा है कि कुछ वर्णों के लोग दूसरों से ज्यादा सयाने होते हैं। कोई पूजा-पाठ और प्राचीन ग्रंथों पर अथॉरिटी है तो कोई लिखने-पढ़ने और हिसाब किताब में प्रवीण होता है। किसी को अपनी मूंछों पर घमंड है तो किसी को अपनी हीनता पर पूरा यकीन। यह और बात है कि बच्चे सभी वर्ण के फेल होते हैं। शीर्ष पदों पर पहुंचने वालों में भी सभी वर्णों के लोग होते हैं। सवाल यह उठता है कि जब पूरा देश इसी सोच को लेकर चल रहा है तो राहुल के बयान को इतना सीरियसली क्यों ले लिया गया। दरअसल, राहुल की पहचान एक ढीठ नेता की बन चुकी है। भाजपा पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से राहुल गांधी को नेस्तनाबूद करने में लगी हुई है। राहुल के बयानों को तोड़ा मरोड़ा जाता रहा, उसे मंदबुद्धि साबित करने की कोशिश की गई, 'पप्पू' नामकरण कर दिया गया। राहुल के साथ ही उसकी बहन प्रियंका को भी 'पिंकी' नाम दे दिया गया। इतना सबकुछ करने के बाद भी राहुल को हतोत्साहित करना संभव नहीं हुआ। मोदी मामले में उनका दोषी ठहराया जाना उचित था, इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती। पर यह सजा इतनी क्यों दी गई कि इसका असर आठ साल तक उनके राजनीतिक निर्वासन का कारण बन गया? यही वह सवाल है जो सुप्रीम कोर्ट ने पूछा है। मोदी उपनाम का मामला तो 'उड़ता भाला पकड़ने' जैसा है। किसी के कहने भर से अगर पूरी जाति का अपमान हो जाता हो, तो देश की बहुत बड़ी आबादी को इस तरह के केस तमाम नेताओं, पुलिस और प्रशासन के खिलाफ करना चाहिए। ऐसा अपराध हम अल्पसंख्यकों के खिलाफ दशकों से कर रहे हैं। दरअसल, यह कोशिश थी राहुल को सक्रिय राजनीति से दूर रखने की। इससे विपक्ष के उन मंसूबों पर भी पानी फिर जाता जिसके बारे में लालू प्रसाद यादव ने कहा था कि 'आप दूल्हा बनो, हम सब बाराती बन जाएंगे।' मान लिया गया कि जब दूल्हा बैन हो जाएगा तो बारात अपने आप बिखर जाएगी। पर संविधान आड़े आ गया।

संपादकीय

प्राइवेसी का सवाल

डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल गुरुवार को लोकसभा में पेश कर दिया गया। सरकार ने साफकिया कि इसे भले ही फाइनेंस बिल के रूप में पेश किया गया हो, लेकिन यह मनी बिल नहीं है। इसका मतलब यह है कि राज्यसभा भी बराबरी के अधिकार के साथ इस पर विचार कर सकेगी। यह इस लिहाज से जरूर अच्छी बात मानी जा सकती है कि इससे विधेयक के अहम पहलुओं पर दोनों सदनों में विस्तार से चर्चा का मौका मिल सकता है, लेकिन यह भी ध्यान में रखना जरूरी है कि इस विधेयक के कानून का रूप लेने में पहले ही काफी देर हो चुकी है। विधेयक का पहला प्रारूप 2019 में ही पेश किया गया था। इसके कम से कम तीन रूप संसद में आ चुके हैं। वैसे इन कवायदों से गुजरने के बाद बिल के मौजूदा स्वरूप को कई दृष्टियों से बेहतर माना जा रहा है। इसके मुताबिक डेटा इकट्ठा करने वाली कंपनियों को न केवल यह बताना होगा कि वे कौन से डेटा ले रही हैं और उनका क्या इस्तेमाल किया जाना है बल्कि उन्हें डेटा प्रोटेक्शन ऑफिसरों की नियुक्ति करके उनके कॉन्टैक्ट डीटेल्स भी यूजर्स को मुहैया कराने होंगे। यूजर्स को अपने पर्सनल डेटा को बदलने या उन्हें डिलीट कराने का भी अधिकार होगा। एक अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्था परपस लिमिटेशन की है। लोग अक्सर अनजाने ही ऐसे भी डेटा उपलब्ध करा देते हैं, जिनकी डेटा कलेक्शन के घोषित मकसदों के लिहाज से कोई सार्थकता नहीं होती। उदाहरण के लिए, फूड डिलिवरी ऐप ग्राहकों के फोन नंबर भी कलेक्ट कर सकता है। मगर परपस लिमिटेशन का यह प्रावधान सुनिश्चित करता है कि फोन कॉन्टैक्ट लिस्ट ऐप की पहुंच से बाहर रहेगी। ये प्रावधान दुनिया के अन्य देशों में लागू डेटा प्रोटेक्शन कानूनों से मेल खाते हैं। लेकिन फिर भी इस बिल से जुड़े दो पहलू खास तौर पर गौर करने लायक हैं। पहला तो यह कि बिल को अभी पूर्ण नहीं माना जा सकता क्योंकि इसका मुख्य ऑपरेटिव पार्ट अन्य बिलों या कानूनों के रूप में सामने आएगा, जो सरकार बाद में ड्राफ्ट करेगी। उदाहरण के लिए, डेटा इकट्ठा करने वाली कोई कंपनी लोगों से सहमति कैसे हासिल करेगी और विक्टिम को डेटा सुरक्षा भंग होने की जानकारी कैसे देगी। यह उन कानूनों से तय होगा जो अभी बनने वाले हैं। जाहिर है, डेटा प्रोटेक्शन बिल की उपयोगिता काफी हद तक उन कानूनों पर भी निर्भर करेगी। दूसरी बात यह कि आगे जो बिल लाए जाएं या कानून बनें, उनमें डेटा प्रोटेक्शन की व्यवस्था से मिलने वाली छूटों का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। आम तौर पर देश की सुरक्षा, संप्रभुता और जनहित के नाम पर सरकार को पूरी छूट दे दी जाती है। लेकिन इन छूटों के लिए आवश्यक स्थितियां बारीकी से तय की जानी चाहिए। आखिर सरकार ही सबसे बड़ी डेटा कलेक्टर है और नागरिकों की निजता के अधिकार को खतरा उधर से भी हो सकता है।

> “ पहला तो यह कि बिल को अभी पूर्ण नहीं माना जा सकता क्योंकि इसका मुख्य ऑपरेटिव पार्ट अन्य बिलों या कानूनों के रूप में सामने आएगा, जो सरकार बाद में ड्राफ्ट करेगी। उदाहरण के लिए, डेटा इकट्ठा करने वाली कोई कंपनी लोगों से सहमति कैसे हासिल करेगी और विक्टिम को डेटा सुरक्षा भंग होने की जानकारी कैसे देगी।

कहीं कोई जवाबदेही नहीं?

हरियाणा के दंगाग्रस्त नूह इलाके में कार्यरत एक सीआईडी अधिकारी ने एक टीवी चैनल को बताया कि उन्होंने हिंसा की तैयारियों के बारे आगाह करते हुए अपने विभाग को रिपोर्ट भेजी थी। लेकिन उस क्षेत्र के थाना इंचार्ज ने उसी चैनल को बताया कि उन्हें ऊपर से कोई ऐसी चेतावनी नहीं आई। उधर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के नेता कह रहे हैं कि हथियार दोनों तरफ (यानी हिंदू और मुस्लिम समुदायों में) इकट्ठा किए गए थे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा है कि राज्य पुलिस की सबकी सुरक्षा की गारंटी नहीं कर सकती (हालांकि इस पर विवाद होने के बाद उन्होंने जानी-पहचानी सफाई दी कि उनकी बात को गलत ढंग से समझा गया)। बहरहाल, यह अहम सवाल है कि खुफिया सूचना को संबंधित पुलिस थाने को ना भेजने के लिए कौन जिम्मेदार था? उधर, इस तर्क से सरकार या सत्ता पक्ष का बचाव कैसे हो सकता है कि मुसलमानों ने भी हथियार इकट्ठे किए थे और दोनों तरफ से हिंसा हुई? प्रश्न तो यह है कि दोनों में से कोई पक्ष अगर हिंसा की तैयारी में पहले से जुटा हुआ था, तो राज्य प्रशासन कहां सोया हुआ था?

सीआईडी अधिकारी के बयान की रोशनी में यह सवाल और गंभीर हो जाता है- इसलिए कि तब बात सिर्फ लापरवाही की नहीं रह जाती, बल्कि नीयत का सवाल भी उठ खड़ा होता है। हथियार लेकर शोभा यात्रा निकालने की इजाजत देना और चुनौती के अंदाज में किसी अन्य महजब के धर्म स्थल के सामने से उसे गुजरने की इजाजत देने से जुड़े प्रश्नों की चर्चा हम यहां नहीं कर रहे हैं। हालांकि उत्तर प्रदेश के बरेली में जिस तरह ऐसा होने से रोकने वाले वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के साथ जैसा व्यवहार किया गया, उसके मद्देनजर ये सवाल भी पूरी गंभीरता के मौजूद हैं। अतिरिक्त प्रश्न यह है कि नूह और आसपास के इलाकों में जो प्रशासनिक नाकामी सामने आई, क्या उसकी शृंखलाबद्ध जवाबदेही तय नहीं की जानी चाहिए? लेकिन आज के दौर में जिस चीज का सबसे ज्यादा अभाव है, वह उत्तरदायित्व ही है। और इसीलिए हिंसक घटनाओं पर लगाम नहीं लग पा रही है।

अभी से क्यों और कैसे सर्वे हो रहे हैं?

भारत में राजनीतिक विमर्श को प्रभावित करने वाले कई तत्वों में एक चुनावी सर्वेक्षण भी हैं। आमतौर पर सर्वेक्षण चुनाव के समय होते हैं लेकिन पिछले कुछ समय से यह देखने में आया है कि सर्वेक्षण एजेंसियां चुनाव के कई महीने से पहले से झूठे-सच्चे सर्वे करके राजनीतिक चर्चाओं को दिशा देने का काम करने लग रही हैं। इस साल पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। इसलिए स्वाभाविक रूप के राज्यों को लेकर चुनाव पूर्व सर्वेक्षण होने चाहिए। हालांकि उनमें भी यह बताया जाना चाहिए कि जब गठबंधन तय नहीं है और किसी भी पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है तो किस आधार पर सीट जीतने-हारने का आकलन किया जा रहा है? बहुत हैरानी की बात है कि बिना उम्मीदवार की घोषणा के और बिना मुख्यमंत्री के चेहरे की दावेदारी के सर्वे एजेंसियां बता रही हैं कि कौन कितनी सीटों पर जीतेगा। कायदे से एजेंसियों को यह बताना चाहिए कि किस पार्टी को कितना समर्थन है। ज्यादा से ज्यादा किसी पार्टी को मिलने वाले वोट प्रतिशत के बारे में बताया जा सकता है। सीटों के बारे में तो कतई नहीं बताया जा सकता है क्योंकि सर्वे एजेंसियों को भी पता है कि भारत में फर्स्ट पास द पोस्ट का सिस्टम लागू है, जिसमें किसी पार्टी को मिला वोट प्रतिशत और उसे मिली सीटें ज्यादातर समय समानुपातिक नहीं होती हैं। मिसाल के तौर पर 2014 के लोकसभा चुनाव में मायावती की पार्टी को उत्तर प्रदेश में 20 फीसदी वोट मिले थे लेकिन एक भी सीट नहीं मिल पाई थी। बहरहाल, राज्यों के साथ साथ सर्वेक्षण एजेंसियां और मीडिया हाउस लोकसभा चुनाव का भी सर्वे दिखा रहे हैं और फिर से एनडीए की भारी जीत की भविष्यवाणी कर रहे हैं। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को तीन सौ से ज्यादा और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को दो सौ से कम सीट का अनुमान जाहिर किया जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि चुनाव से 10 महीने पहले इस सर्वे की क्या जरूरत है? इस तरह के सर्वे करके और ऐसे नतीजे दिखा कर एजेंसियां और मीडिया समूह किसकी सेवा कर रहे हैं? दूसरा सवाल यह है कि सीटों की संख्या का अनुमान कैसे निकाला? दोनों गठबंधन में अभी जो पार्टियां उनमें से कई पार्टियों के बारे में तय नहीं है कि वे उसी गठबंधन से लड़ेंगी।

> “ भारत के युवाओं पर मदन दास को सदा अटूट विश्वास था। वह देश भर के युवाओं को आपस में जोड़ने की क्षमता रखते थे। उन्होंने अपने जीवन का लंबा कार्यकाल अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) को मजबूत करने के लिए समर्पित कर दिया। मदन दास अपनी इस यात्रा में यशवंत राव केलकर से प्रभावित रहे, जिनके बारे में वह अक्सर बातें किया करते थे। यशवंत राव के कामों को उन्होंने न केवल आगे बढ़ाया, बल्कि उसे और समृद्ध किया।

मदन दास भारत के युवाओं पर हर समय अटूट विश्वास करते थे

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

देश ने हाल ही में मदन दास देवी जैसी महान विभूति को खोया है। उनके जाने से मुझे और लाखों कार्यकर्ताओं को जो गहरा दुख हुआ है, उसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। आज मन को समझाना मुश्किल है कि मदन दास हमारे बीच में नहीं हैं। इस चुनौतीपूर्ण सच्चाई को स्वीकारना कठिन है, लेकिन इस बोध से सांत्वना मिलती है कि उनसे जो सीख मिली है और उनके जो आदर्श रहे हैं, वे हमारी आगे की यात्रा में मार्गदर्शक के रूप में काम करते रहेंगे, हमें प्रेरणा देते रहेंगे।

मैं अपने आपको सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे मदन दास जी के साथ वर्षों तक करीब से काम करने का अवसर मिला। उनका जीवन बहुत सहज था। वह पूरी तरह से संगठन को समर्पित व्यक्ति थे और मेरे पास भी लंबे समय तक संगठन के कार्यों का दायित्व रहा है, इसलिए अधिकतर समय हमारे बीच की बातचीत संगठन विस्तार, व्यक्ति निर्माण जैसे पहलुओं पर केंद्रित थी। एक बार मैंने उनसे पूछा कि वह मूल रूप से कहां के रहने वाले हैं? उन्होंने मुझे बताया कि वह महाराष्ट्र के सोलापुर के पास के एक गांव से आते हैं, लेकिन उनके पूर्वज गुजरात के थे। तब उन्हें यह पता नहीं था कि वह गुजरात में कहां से थे। मैंने उन्हें बताया कि मेरे एक शिक्षक थे, जिनका सरनेम देवी था और वह विसनगर के रहने वाले थे, इसलिए हो सकता है कि आप भी उधर के ही हों। बाद में मदन दास जी विसनगर गए और मेरे गांव वडनगर भी गए। वह मुझसे अधिकतर समय गुजराती में ही बातचीत करते थे।

मदन दास धैर्यपूर्वक कार्यकर्ताओं की बातों को सुना करते थे और घंटों तक चली चर्चा को वह बहुत संक्षेप में समेट लेते थे। उनकी एक विशेषता थी कि वह शब्दों से आगे जाकर कार्यकर्ताओं की भावनाओं को बहुत जल्दी समझ लेते थे।

मदन दास की जीवन यात्रा दर्शाती है कि कैसे स्वयं को पीछे रखकर और सामान्य कार्यकर्ताओं को जोड़कर बड़ी-बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। उनके पास चार्टर्ड अकाउंटेंट की ट्रेनिंग थी, इसलिए वह यदि चाहते, तो बहुत आरामदायक जीवन जी सकते थे, लेकिन उनके जीवन का उद्देश्य कुछ और ही था। उन्होंने राष्ट्र निर्माण को ही अपने जीवन का लक्ष्य बनाया।

भारत के युवाओं पर मदन दास को सदा अटूट विश्वास था। वह देश भर के युवाओं को आपस में जोड़ने की क्षमता रखते थे। उन्होंने अपने जीवन का लंबा कार्यकाल अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) को मजबूत करने के लिए समर्पित कर दिया। मदन दास अपनी इस यात्रा में यशवंत राव केलकर से प्रभावित रहे, जिनके बारे में वह अक्सर बातें किया करते थे। यशवंत राव के कामों को उन्होंने न केवल आगे बढ़ाया, बल्कि उसे और समृद्ध किया।

मदन दास का हमेशा जोर रहता था कि एबीवीपी के काम में अधिक से अधिक छात्राओं की भागीदारी हो, और न सिर्फयह भागीदारी तक सीमित रहे, बल्कि छात्राएं गतिविधियों का नेतृत्व करें। वह अक्सर कहते थे कि जब छात्राएं किसी सामूहिक गतिविधि में शामिल होती हैं, तो वह प्रयास ज्यादा संवेदनशील बन जाता है। विद्यार्थियों से मदन दास का गहरा लगाव था और वह अक्सर छात्रावासों में विद्यार्थियों के बीच घुल-मिल जाते थे। आयु में फर्क होने के बावजूद वह नई पीढ़ी के साथ बहुत सहजता से तालमेल बिठा लेते थे। वह विद्यार्थियों के बीच हमेशा ऐसे काम करते रहे, जैसे पानी के बीच कमल। विद्यार्थियों के बीच रहकर भी वह कभी विश्वविद्यालय की राजनीति का हिस्सा नहीं बने।

सामाजिक और राजनीतिक जीवन में कई ऐसे लोग हैं, जिनके जीवन को गढ़ने में मदन दास की बहुत बड़ी भूमिका रही है, लेकिन मदन दास ने कभी इस बात को प्रकट नहीं किया, क्योंकि यह उनके स्वभाव में ही नहीं था।

आजकल जन प्रबंधन, प्रतिभा प्रबंधन और कौशल प्रबंधन की धारणा बहुत ज्यादा लोकप्रिय है। मदन दास यह बखूबी समझ लेते थे कि किस व्यक्ति में किस तरह का कौशल है और उसकी प्रतिभा संगठन के हित में कैसे काम आ सकती है। उनमें यह खासियत थी कि वह लोगों को उनकी क्षमता और प्रतिभा के अनुरूप ही दायित्व सौंपते थे। जिस प्रकार एक माला में मोतियों को पिरोते हैं, उसी प्रकार वह कार्यकर्ताओं को भी संगठन में उचित दायित्व के साथ जोड़ देते थे। जब भी किसी कार्यकर्ता के पास कोई नया विचार होता था, तो उसकी सदा यह इच्छा रहती थी कि वह मदन दास के साथ साझा करे। और इसकी एक वजह यह थी कि मदन दास जी नए विचार को सुनने के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। उनके साथ काम करने वाले लोग स्वत: प्रेरित होते थे, इस कारण से उनके नेतृत्व में न सिर्फ संगठनों का बहुत तेजी से विकास और विस्तार हुआ, बल्कि संगठन कहीं अधिक प्रभावी और सशक्त बने।

आम तौर पर सार्वजनिक जीवन में लोगों को लगता है कि बहुत सारे लोगों से मिलना चाहिए, उनसे संपर्क करना चाहिए। मदन दास जी संपर्क को लेकर बहुत सजग थे। किससे मिलना, कब मिलना और जब मिलूं, तो उससे क्या बात करूं और इसमें कितना समय लगेगा। इन सबकी वह प्लानिंग करते थे। मदन दास जी के जो प्रवास और कार्यक्रम होते थे, उनमें वह कभी भी कार्यकर्ताओं पर बोझ नहीं बनते थे। वह एक ठंडी-मीठी लहर की तरह आकर चले जाते थे और सारे कार्यकर्ताओं को, पूरी स्थानीय इकाई को प्रेरणा से भर देते थे।

मैं अंतिम समय तक सतत उनके संपर्क में रहा। मैंहाल में जब भी उनको फोन करता था, तब वह चार बार पूछने के बाद ही अपनी बीमारी के बारे में बात करते थे। अन्यथा वह हंसकर टाल जाते थे। उनकी इच्छा रहती थी कि मैं किसी पर बोझ नहीं बनूं। शारीरिक कष्ट के बावजूद वह प्रसन्नचित्त नजर आते थे। बीमारी में भी उनके मन में सदा यह भाव रहता था कि मैं समाज के लिए, देश के लिए क्या करूं।

मदन दास जी का अकादमिक रिकॉर्ड काफी शानदार था और इसने उनके काम करने के तरीकों को एक खास आयाम दिया। वह बहुत अच्छे पाठक भी थे। जब भी कुछ अच्छा पढ़ते थे, तो उसे उस विषय से संबंधित लोगों को भेज देते थे। मुझे अक्सर ऐसी चीजें उनसे प्राप्त होती थीं, जिन्हें मैं अपने लिए बहुत उपयोगी पाता था। अर्थशास्त्र और नीतिगत मामलों की वह बहुत गहरी समझ रखते थे। वह एक ऐसा भारत देखना चाहते थे, जो किसी पर भी निर्भर नहीं हो। मदन दास ने एक ऐसे भारत की कल्पना की थी, जिसके प्रत्येक नागरिक के लिए आत्मनिर्भरता जीवन की वास्तविकता हो। एक ऐसे समाज का निर्माण हो, जहां सम्मान, सशक्तीकरण और सामूहिक समृद्धि की भावना हो।

आज जब हमारा लोकतंत्र जीवंत है, युवा आत्मविश्वास से भरे हैं और देश आशाओं और आकांक्षाओं से भरा है, तब मदन दास देवी जी जैसी विभूतियों को याद करना बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। उनका पूरा जीवन समाज की सेवा और राष्ट्र के उत्थान के लिए समर्पित रहा।

मणिपुर के दर्द की दवा करे कोई

शशि शेखर

वह साल 1994 की खुशनुमा दोपहर थी, पर हमारे मन अशांत थे। हमारा रुख कुकियों के एक ऐसे गांव की ओर था, जिसे कुछ घंटे पहले आग के हवाले कर दिया गया था।

हम जब पहुंचे, तब तक हादसा गुजर चुका था। छोटे से गांव में कुलजमा दर्जन भर टीन और फूस की रिहाइशें थीं। चारों तरफ गृहस्थी के सामान बिखरे पड़े थे- कुछ अधजली तस्वीरें, कपड़े, कंबल, चादरें, चावल, सब्जियां, नए कटे मुर्गे के टुकड़े, बच्चों की मुड़ी-तुड़ी चप्पलें, बूढ़ों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली छड़ी और ऐसा काफी कुछ। हमला उस समय हुआ था, जब महिलाएं भोजन बना रही थीं। तब तक पता न था कि इस हमले में कोई हताहत हुआ है या नहीं, पर सुरक्षा बल मान रहे थे कि यह करतूत नगा अलगाववादियों ने की है।

वे कुकी बनाम नगा संघर्ष के दिन थे।

उन दिनों मणिपुर की फिजां में विधानसभा चुनावों की दस्तक सुनाई देने लगी थी। तब वहां राष्ट्रपति शासन था, पर विधानसभा भंग नहीं हुई थी। रिशांग कीशिंग चुनाव से पहले ही नई दिल्ली की मदद से मुख्यमंत्री बन बैठे थे। उनमें और राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल वीके नायर के बीच खटपट जगजाहिर थी। नायर मानते थे कि कीशिंग अपने सांविधानिक दायित्वों का पालन नहीं कर रहे हैं। उनकी सहानुभूति विद्रोही नगा गुटों के साथ है, पर नई दिल्ली की हुकूमत इस सिलसिले में मेरी कुछ सुनती नहीं।

चुनाव के पहले ही जनरल नायर ने त्यागपत्र दे दिया था।

हम लोगों ने उपद्रवग्रस्त मणिपुर और नगालैंड में लगभग हफ्ता भर बिताया था। इंफाल और कोहिमा, दोनों राजधानियों में बैठा सत्ता वर्ग दूर-दराज की हकीकतों को हल्के अंदाज में पेश करने का अभ्यस्त था, पर जमीनी हालात खराब थे। लोग गुरबत और असुरक्षा के साये में जीवन बिता रहे थे। एक तरफ किस्म-किस्म के अलगाववादी गुट थे और दूसरी तरफ, वर्दी पहने बंदूकधारी। दोनों आए दिन आम आदमी की आफत का कारण बनते थे।

एक उदाहरण देता हूं।

हम सीआरपीएफ के दस्ते के साथ उनकी पेट्रोलिंग का तरीका देखने निकले थे। शाम ढल चली थी। समूचे प्रदेश में घोषित-अघोषित तौर पर रात्रि-कर्फ्यू जारी था। हर ओर झींगुरों की आवाज और पसरता अंधेरा वातावरण को रहस्यमय बना रहे थे। हम पहाड़ की फिसलन से खुद को बचाते हौले-हौले आगे बढ़ रहे थे कि एक मोड़ पर अचानक दो युवक सामने पड़ गए। इतने सारे वर्दीधारी देखकर वे जड़ हो गए थे। वे कुछ समझ या समझा पाते, उसके पहले कई मजबूत हाथों ने उन्हें जकड़ लिया था। तलाशी के बहाने उनके शरीर की दुर्गति हो रही थी। मैंने बाद में उनके एक आला अधिकारी से इसकी शिकायत दर्ज की, पर वह मुस्कराकर रह गए। उनकी मुस्कराहट में क्या था?

अवज्ञा, अवहेलना या तिरस्कार! जो हो, पर वह आज तक अखर रहा है।

पंजाब और कश्मीर में भी मैंने आतंकवाद से लड़ाई देखी थी, पर यहां मामला काफी अलग था। उस शाम उस आला अफसर ने हमें बहुत देर तक 'इंसर्जेंसी' और 'टेररिज्म' का फर्क समझाया। उनके शाब्दिक आडंबर के पीछे छिपा निहितार्थ मेरे समक्ष स्पष्ट था। 'गन कलचर' हमेशा आम आदमी के खिलाफ साबित होती है। कश्मीर और उत्तर-पूर्व के प्रदेश इसके गवाह थे। वहां विकास के नाम पर सिर्फ सरकारी खजाने से धनवर्षा हो रही थी। इस इमदाद को जनता तक पहुंचने से रोकने के लिए सरकारी, गैर-सरकारी बंदूकबाजों के गिरोह मौजूद थे।

वे दोस्त थे या दुश्मन?

इसका यह मतलब कतई मत निकालिएगा कि समूचे सैन्य अथवा अर्द्ध-सैन्यबल ऐसे गलत काम कर रहे थे। उस दौरे से लौटने के बाद मेरे मन में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के प्रति सम्मान बहुत बढ़ गया था। उनके अधिकारी और जवान बेहद प्रतिकूल परिस्थितियों में देश की हिफाजत के लिए जूझ रहे थे। उनके रहने, खाने और जीने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं थे। कुछ जवानों की गलत करतूतों को छोड़ दें, तो प्राय: सभी मुस्तैदी से अपना काम कर रहे थे। कभी समय आने पर उनके किस्से सुनाऊंगा।

तब से अब तक देश की नदियों में बहुत जल बह चुका है। मणिपुर दोबारा जाना नहीं हुआ, पर वहां बढ़ती जा रही सैलानियों की संख्या दिलासा देने लगी थी कि हालात सामान्य हो गए हैं, लेकिन पिछले तीन महीनों में यह भ्रम चूर-चूर हो चुका है। आज की घटनाओं को 1993-94 के हादसों से मिलाकर देख लीजिए। बस चेहरे बदले हैं। पहले नगा और कुकी जूझ रहे थे, अब मैतेई और कुकी आमने-सामने हैं। मणिपुर एक बार फिर बंदूक-संस्कृति की गोद में जा बैठा है। वहां आनन-फानन में अमन-चैन की वापसी की कामना व्यर्थ है।

पुराने घाव जब हरे हो जाते हैं, तो उन्हें भरने में बहुत वक्त लगता है।

यहां के अधिकांश मैतेई कृष्ण-भक्त हैं और इस नाते उन्हें महाभारत की कथा भूलनी नहीं चाहिए। एक द्रौपदी के चीरहरण ने कैसा अनर्थ ढाया था! इस बार तो तमाम बहू-बेटियां उसी वीभत्स कामना की शिकार बनी हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि सत्तारूढ़ पार्टी के ही कुकी विधायक अब अलग राज्य की मांग करने लगे हैं। नई दिल्ली और इंफाल, दोनों के लिए यह कठिन परीक्षा का काल है।

मणिपुर के मामले को लेकर संसद के मानसून सत्र पर पानी फिर रहा है। विपक्ष प्रधानमंत्री के बयान पर अड़ा हुआ है, जबकि गृह मंत्री अमित शाह सदन में साफ कर चुके हैं कि मैं इस मसले के हर पहलू पर बोलने को तैयार हूं। शाह इस मसले से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं। वह पहले ऐसे गृह मंत्री हैं, जिन्होंने धधकते मणिपुर में तीन दिन बिताए। वहां हिंसा, पलायन और अनाचार थामने के लिए 36 घंटे से कम समय में 30 हजार सशस्त्र बल जुटाए। उनके सहयोगी नित्यानंद राय भी 22 दिन तक लगातार वहां रहकर समूचे इंतजामात देखते रहे। ऐसा करते वक्त दोनों नेता जानते थे कि अमन-चैन की वापसी में वक्त लगेगा, पर इसके लिए फौरी इंतजामात जुटाने जरूरी थे।

यही वजह है कि पिछले कई दिनों से भीड़ हिंसा की कोई बड़ी कहानी सामने नहीं आई है, लेकिन दिल्ली में राजनीतिक तापमान बढ़ा हुआ है। संसद के दोनों सदन अभूतपूर्व सियासी कटुता की चपेट में हैं। प्रधानमंत्री बोलें, इसके लिए विपक्षी दल अविश्वास प्रस्ताव लाए हैं। आने वाले मंगल और बुधवार को इस पर बहस होनी है। इस दौरान दोनों पक्ष जो बोलें, वे बोलें, पर इससे मणिपुरियों की व्यथा पर मरहम लग सकेगा क्या? तीन दशक पहले उस सरजमीं की पीड़ा से दो-चार होते समय मन दुखाने वाले जो सवाल उठे थे, उनका जवाब आज तक नहीं मिल सका है।

सियासत के सभी धड़े इसके लिए जवाबदेह हैं।

इस बीच देश की सर्वोच्च अदालत ने इस मामले को हाथ में ले लिया है। उसकी कठोर टिप्पणियां इतिहास में भले ही दर्ज हों, पर मणिपुर को स्थायी समाधान चाहिए। वहां के लोगों के साथ-साथ समूचे देश को उसका इंतजार है।

स्थायी तनाव से चुनावी फायदा

हरिशंकर व्यास

देश भर में हो रही घटनाओं को देख कर ऐसा लग रहा है मानों योजना के तहत समाज में और राजनीति में भी स्थायी तनाव पैदा किया जा रहा है। लोगों के मन में किसी न किसी मसले पर उबाल बनाए रखने की कोशिश है। लोग गुस्से में रहें और एक-दूसरे के प्रति नफरत से भरे रहें, इस बात के प्रयास किए जा रहे हैं। असल में किसी बड़े सांप्रदायिक या सामुदायिक दंगे की बजाय समाज में स्थायी तौर पर खदबदाहट बनाए रखने की रणनीति राजनीतिक रूप से ज्यादा कारगर है। दंगे से जीत की गारंटी नहीं होती है। दिल्ली में सांप्रदायिक दंगे हुए थे लेकिन उसके बाद हुए दिल्ली नगर निगम के चुनाव में भाजपा हार गई। उसका 15 साल का एमसीडी का राज खत्म हो गया। असल में बड़े दंगों में हिंदुओं का ज्यादा नुकसान होता है। उनका कारोबार ठप्प होता है और जान-माल दोनों का नुकसान होता है। इस बारे में लेखक बद्रीनारायण ने अपनी किताब 'रिपब्लिक ऑफ हिंदुत्व' में विस्तार से लिखा है।

बहरहाल, समाज में स्थायी तनाव बनाए रखने के लिए कई उपाय किए जाते हैं। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा के शाही ईदगाह का मसला भी ऐसा ही है। जिस समय अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर का मामला अपने चरम पर था तब विश्व हिंदू परिषद का नारा था, 'अयोध्या तो झांकी है, मथुरा-काशी बाकी है'। तो अब मथुरा और काशी की बारी आ गई है। अयोध्या में मंदिर निर्माण पूरा होने वाला है। अगले साल जनवरी में वहां रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। उससे पहले ही वाराणसी और मथुरा का मामला फिर से उभार दिया गया है। अभी यह कानूनी लड़ाई के स्टेज में है लेकिन इसे लेकर जल्दी ही धार्मिक व राजनीतिक संघर्ष शुरू होने वाला है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बयान देकर इसकी शुरुआत कर दी है। सोचें, क्या मुख्यमंत्री को अब जाकर पता चला है कि ज्ञानवापी मस्जिद में कथित तौर पर शिवलिंग है या त्रिशूल है या दूसरे हिंदू धार्मिक प्रतीक चिन्ह बने हैं? हो सकता है कि उनको पहले से इस बारे में पता हो या अंदाजा हो लेकिन यह बात कहने के लिए इंतजार किया गया। पहले चार महिलाओं ने माता शृंगार गौरी की नियमित पूजा-अर्चना के लिए याचिका डाली थी। उसके बाद मस्जिद के पुरातत्व विभाग से सर्वेक्षण कराने की याचिका डाली गई। और अब मुख्यमंत्री ने कहा है कि उसे मस्जिद कहा जाए तो यह विवाद की बात होगी। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज को ऐतिहासिक गलती स्वीकार करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने मुस्लिम समाज से ही उपाय सुझाने को कहा है।

जाहिर है कि जब अयोध्या का मामला निपट रहा है तो दूसरा कोई ऐसा मुद्दा होना चाहिए, जिसकी आंच सुलगती रही और चूल्हे पर चढ़ा वोट का बर्तन उबलता रहे। अगर स्थायी तौर पर समाज में उबाल बनाए रखने की मंशा नहीं होती तो एक झटके में सरकार सारे धर्मस्थलों को बदल सकती है। संसद में सरकार के पास पूर्ण बहुमत है, जिसके दम पर वह 1991 में बने धर्मस्थल कानून को बदल सकती है। लेकिन वह ऐसा नहीं कर रही है। क्योंकि एक झटके में कोई काम नहीं करना है। इसलिए मथुरा और काशी का मामला निचली अदालत से शुरू हुआ है और अभी सर्वेक्षण कराने के स्टेज पर है। सोचें, अदालतें कह रही हैं कि किसी भी धर्मस्थल का सर्वेक्षण कराने से धर्मस्थल कानून का उल्लंघन नहीं होता है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals In All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg. Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

सैलानियों को जल्द मिलेगी तांदुला इको फ्रेंडली टूरिज्म पार्क की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण छत्तीसगढ़ में पर्यटन के विकास के लिए तेजी से निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। यहां सैलानियों के लिए सुविधाओं सहित सुगम पहुंच का भी ध्यान रखा जा रहा है।

इसी कड़ी में जल्द ही सैलानियों को 'तांदुला इको फ्रेंडली टूरिज्म पार्क' की सौगात मिलने वाली है। बालोद जिले की प्रमुख एवं जीवनदायिनी तांदुला नदी में निर्मित तांदुला जलाशय के तट स्थित मनोरम प्राकृतिक वादियों को सैलानियों के लिए विकसित किया जा रहा है।

संयुक्त जिला कार्यालय बालोद के समीप आदमाबाद में निर्माणाधीन 'तांदुला इको फ्रेंडली टूरिज्म पार्क' का निर्माण कार्य लगभग पूर्णता की ओर है।

उल्लेखनीय है कि आदमाबाद के समीप स्थित तांदुला जलाशय का तट जंगल एवं हरे-भरे वृक्षों से आच्छादित होने तथा बेहतरीन प्राकृतिक परिवेश और जरूरी सुविधाओं से युक्त होने के कारण सैलानियों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहा है। इस पर्यटन स्थल के विकसित हो जाने से बड़ी संख्या में सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बनेगा। पार्क के सामने आकर्षक मुख्य द्वार का निर्माण किया जा रहा है। यहां पर्यटकों के रूकने के लिए कार्टेज, मचान, टेंट हाउस के अतिरिक्त रेस्टोरेंट, वाटर बॉडी, बुद्धा स्टेच्यू, गार्डन आदि निर्माण कार्य किया जा रहा है। यहां चम्पा के फूलों के अलावा फ्लदार पौधों का रोपण भी कराया जा रहा है। तांदुला जलाशय पर्यटन स्थल को आकर्षक एवं सुसज्जित बनाया जा रहा है, जिससे कि छत्तीसगढ़ के साथ-साथ अन्य राज्यों से भी पर्यटक यहां आएं। पर्यटन स्थल में विभिन्न स्टॉल भी स्थापित किया जाएंगे। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिल सकेंगे।

खास खबर

बीएसपी में एबीएमएस पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा इस्पात भवन में 5 अगस्त, 2023 को आई एस /आई एस ओ 37001रू2016 के अनुसार एंटी ब्राइबरि मैनेजमेंट सिस्टम (एबीएमएस) पर एक जागरूकता, प्रलेखन और आतंरिक संपरीक्षण पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने की। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक ए के चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. रविद्रनाथ एम एवं कार्यवाहक कार्यपालक निदेशक आर के श्रीवास्तव उपस्थित थे। अनिर्बान दासगुप्ता सहित उपरोक्त उल्लेखित अधिकारियों एवं महाप्रबंधक एवं कार्यकारी एसीवीओ सत्यब्रत कर द्वारा एंटी ब्राइबरि मैनेजमेंट सिस्टम से संबंधित पोस्टर और बैनर जारी किये गए। इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी, मुख्य महाप्रबंधक, इंटरनल रिसोर्स पर्सन (आईआरपी) और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया था। अनिर्बान दासगुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि हमें कंपनी के हर जगह में एंटी ब्राइबरि मैनेजमेंट सिस्टम (एबीएमएस) का प्रचार करना चाहिए। एंटी ब्राइबरि मैनेजमेंट सिस्टम हमारे लिए एक प्रतिष्ठित कंपनी बनने में सहायक है, जिसके लिए ये एबीएमएस जरुरी नैतिक सुरक्षा की आवश्यकता को पूरी करती है। उन्होंने कहा, मैं सभी विभागाध्यक्षों से एबीएमएस को तय कार्यक्रम के अनुसार लागू करने का आग्रह करता हूं।

संसदीय सचिव ने पीजी कॉलेज में दस लाख की लागत से निर्मित गर्ल्स कामन रूम का किया शुभारंभ

महासमुंद। संसदीय सचिव व जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर कॉलेज में 10 लाख रुपए की लागत से निर्मित गर्ल्स कामन रूम का शुभारंभ किया। इस दौरान संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने कहा कि कॉलेज में अध्ययन और अध्यापन की सुविधाओं के विस्तार के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। शासकीय महाप्रभु स्नातकोत्तर कॉलेज में गर्ल्स कामन रूम का लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संसदीय सचिव व कॉलेज के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष विनोद सेवनलाल चंद्राकर थे। अतिथि के रूप में जनभागीदारी समिति के सदस्य डॉ रश्मि चंद्राकर, दाऊलाल चंद्राकर, मंडी अध्यक्ष हीरा बंजारे, संजय शर्मा, योगेश गंडेचा, हरिकृष्ण भार्गव, रमाकांत गायकवाड़, किशन देवांगन मौजूद थे। संसदीय सचिव व विधायक श्री चंद्राकर ने कहा कि यहां लंबे समय गर्ल्स कामन रूम की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। जिसे गंभीरता से लेते हुए दस लाख रूपए की लागत से यहां गर्ल्स कॉमन रूम निर्माण कराया गया है। आज इसका शुभारंभ हो रहा है। गर्ल्स कामन रूम बनने से छात्राओं को काफी सहुलियत मिलेगी। संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने कहा कि कॉलेज के विद्यार्थियों के हितों में अध्ययन-अध्यापन सुविधाओं के विस्तार के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। विद्यार्थियों की मांग पर पीजी कॉलेज महाविद्यालय अब वाई-फाई सुविधा से लैस हो गया है। विद्यार्थी अब मुफ्त वाई -फाई सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। इसी तरह यहां विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विधायक निधि से कैंटिन निर्माण के लिए दस लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है। ओपन जिम निर्माण के साथ ही 12 स्नातकोत्तर विभागों द्वारा आनलाइन सेमीनार कराने राशि की स्वीकृति, नवीन ट्रांसफार्मर की स्थापना, धरोहर झरोखा निर्माण के लिए राशि की स्वीकृति, वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के लिए दो सौ नग टेबल कुर्सी की खरीदी, विभागों में लैब सामाग्री क्रय करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

चार वर्षों में 2763 देवगुड़ी के लिए राशि 5185.83 लाख रुपए स्वीकृत

छत्तीसगढ़ परब को दिया जा रहा बढ़ावा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिवासी संस्कृति की अपनी एक विशिष्ट पहचान है। उनकी बोली भाषा, संस्कृति, परम्परा से, रीति रिवाजों से जाना जाता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विश्व आदिवासी दिवस पर 9 अगस्त 2022 से शासकीय अवकाश का लाभ देकर उनकी बरसों की मांग पूरी कर दी है। ताकि अपने रीति रिवाजों और त्योहार को हर्षोल्लास के साथ मना सकें छत्तीसगढ़ शासन उनके विकास के लिए अनेकों काम कर रही है।

आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आदिवासी सांस्कृतिक का परिक्षण एवं विकास योजनान्तर्गत आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में आदिवासियों के पूजा एवं श्रद्धा स्थलों पर देवगुड़ी के निर्माण मरम्मत योजना संचालित है। विगत साढ़े चार वर्षों में देवगुड़ी ठाकुरदेव एवं सांस्कृतिक केंद्र घोटुल निर्माण, मरम्मत योजना अंतर्गत प्रदाय की जाने वाली राशि में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि की गई है। प्रति देवगुड़ी की राशि 1 लाख रूपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए प्रति देवगुड़ी कर दिया गया। योजना के स्वरूप राशि में 5 गुना वृद्धि हुई है। इसके साथ ही अबुझमाड़िया जनजाति समुदायों में प्रचलित घोटुल प्रथा को संरक्षित रखने के लिए विशेष प्रयास किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ शासन ने विगत चार वर्षों में 2763 देवगुड़ी के लिए राशि 5185.83 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। साथ ही अबुझमाड़िया संस्कृति के विकास और उत्थान के लिए बस्तर संभाग के नारायणपुर जिले में 104 घोटुल निर्माण के लिए राशि 470.00 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। आदिवासी के त्योहारों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना की शुरुआत की गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना अंतर्गत आदिवासियों में तीज,सरना,देवगुड़ी,नवाखाई,छेरछेरा, अक्ती,हरेली त्यौहारों, उत्सवों मेला,मड़ई जात्रा आदि पर्व की परम्परागत संस्कृति का विकास और उनके आगामी पीढ़ी को हस्तांतरण करने के लिए योजना की शुरुआत की गई है। अनुसूचित क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत को राशि उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत को राशि 10 हजार रुपए दिए जाने का प्रावधान है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में योजना के क्रियान्वयन के लिए राशि 5 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2023-24 में वित्तीय नियमानुसार प्रथम किस्त की राशि 5 हजार के मान से 5633 ग्राम पंचायतों को डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके खाते में राशि 281.85 लाख हस्तांतरित की गई।

गौठान में पशुओं के लिए हरा चारा दान करें

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम भिलाई गौठान में रोका छेका योजना के अंतर्गत छोड़े जा रहे आवारा मवेशियों के लिए चारे की व्यवस्था के साथ शेड में पल रहे है। निगम के राजस्व अमला तीन काउ-कैचर वाहन के साथ सम्पूर्ण निगम क्षेत्र में भ्रमण कर सड़क पर बैठकर यातायात को बाधित करने वाले आवारा पशुओं को सड़क, बाजार एवं मोहल्लों से एकत्र कर गौठान में छोड़ रहे है।

शासन की योजना रोका छेका का अभियान निगम क्षेत्र में बदस्तुर जारी है, निगम का अमला राष्ट्रीय राजमार्ग, नेहरू नगर, जुनवानी, कोहका, पावर हाउस नंदनी रोड टाउनशिप क्षेत्र में घुम रहे मवेशियों को काउ-कैचर के माध्यम से हरा चारा के साथ गौठान छोड़ा जा रहा है। निगम आयुक्त रोहित व्यास , शासन की योजना रोका छेका का शतत् निगरानी कर रहे है। अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी के निर्देश में चल रहे इस अभियान के नोडल अधिकारी अनिल सिंह सहायक अभियंता ने बताया की शहर से पकड़े जा रहे गाय एवं सांड को गौठान में रखा जा रहा है।

निगम प्रशासन ने क्षेत्र के समाज सेवी संस्थो तथा आम नागरिकों से अपील किया है कि सेवा कार्य के लिए गौठान में हरा चारा दान कर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

इन्स्ट्रुमेंटेशन एवं ऑटोमेशन जोन में शिरोमणि पुरस्कार समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में आयोजित शिरोमणि पुरस्कार समारोह में इन्स्ट्रूमेंटेशन एवं ऑटोमेशन जोन से उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शित करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पाली शिरोमणि तथा कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस संदर्भ में 03 अगस्त 2023 को आयोजित कार्यक्रम में जनवरी से मार्च 2023 तिमाही में अति उत्तम कार्य प्रदर्शन के लिये सहायक प्रबंधक (विद्युत जोन) शैलेष कुमार मालवीय को पाली शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया तथा ओसीटी नितीष कुमार राय, मास्टर ओसीटी श्री बी मोहन कुमार तथा मास्टर ओसीटी मोहर लाल मिर्चे को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार विजेताओं को स्मृति चिन्ह, प्रवीणता प्रमाण पत्र, उनके जीवन साथी के लिये प्रशंसा पत्र प्रदान किया। अध्यक्षता महाप्रबंधक प्रभारी संत कुमार केशकर ने की। कार्यक्रम में उपस्थित इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग के महाप्रबंधकगण गौतम कुमार कुंडू, ए एम डैनी, एस आर जतरेले, रजनीश जैन, सुश्री सिम्मी गोस्वामी एवं इन्कास विभाग के महाप्रबंधक रविशंकर ने पुरस्कार विजेताओं के कार्यस्थल में योगदान एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों को सराहा। इस कार्यक्रम का संचालन कार्मिक कार्यालय शक्ति एवं विद्युत विभाग के कन्हैया लाल सोनी ने तथा आभार प्रदर्शन रामसागर द्वारा किया गया।

वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कवर्धा क्षेत्र के विकास के लिए दी करोड़ों रुपए की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कबीरधाम जिले के समुचित विकास के लिए 03 करोड़ 26 लाख 50 हजार रुपए की लागत से कृषि उपज मंडी समिति कवर्धा में मंडी क्षेत्र अंतर्गत 50 ग्राम पंचायतों के लिए सीसी रोड कार्यों की सौगात दी है। उन्होंने इस सड़क निर्माण कार्य के लिए विधिवत भूमिपूजन कर निर्माण कार्य की आधारशिला रखी।

इस बड़ी सौगात के लिए कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायतों के पंच, सरपंच, सचिवों एवं नागरिकों ने मंत्री अकबर के प्रति आभार प्रकट किया है। कार्यक्रम में वन मंत्री अकबर ने कहा कि मुख्यमंत्रीभूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में यहां के लोगों और प्रदेश के समुचित विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। सीसी रोड निर्माण के लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से लेकर आमजनों ने

मांग की थी। उन्होने कहा कि इस क्षेत्र के विधायक होने के नाते जनभावनाओं को पूरा करने के लिए लोगों की मांगों को पूरा करने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होने कहा कि क्षेत्र के जन उपायोगी मांगों को हम हर संभव पूरा करने का आगे भी पूरा प्रयास करते रहेंगे। आगे भी इसी तरह क्षेत्र के समुचित विकास के लिए सब मिलजुलकर प्रयास करते रहेंगे। सीसी रोड निर्माण कार्य की भूमिपूजन होने से लोगों में सरकार के प्रति एक विश्वास जागा है। सड़क निर्माण होने से क्षेत्र में आवागमन की सुविधाएं बढेंगी। इस अवसर पर कन्हैया अग्रवाल, कृषि उपज मंडी अध्यक्ष नीलकंठ साहू, कलीम खान, नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि शर्मा, उपाध्यक्ष जमील खान, बोड़ला जनपद उपाध्यक्ष सनत जायसवाल, विजय पाण्डेय, राजेश शुक्ला, श्रीमती रानू दुबे, एल्डरमेन कौशल कौशिक, दलजीत पाहुजा, कृष्णकांत सोनी, पार्षद अशोक सिंह, सुनील साहू, जनप्रतिनिधि उपस्थित थे केबिनेट मंत्री अकबर ने क्षेत्र के विकास के लिए 3 करोड़ 26 लाख 50 हजार रूपए की बड़ी सौगात दी। भूमिपूजन ग्रामों में ग्राम खड़ौदा खुर्द, खजरी कला, सिलहाटी, दौजरी, जरती, सुरजपुरा, लालपुर कला, मडमडा, नबघटा, लालपुर कला, मोहगांव, कोठार, घुघरीखुर्द, सोनबरसा, सिघनपुरी, कोदवा, लेंजाखार, खैरबना कला, महाराजपुर, बेदरची और नवागांव (सरोधी) शामिल है।

धमधा में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन

विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास के लिए हर संभव मदद दी जाएगी - मंत्री चौबे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री रविन्द्र चौबे ने आज दुर्ग जिले के धमधा में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम उच्चतर विद्यालय के नवनिर्मित भवन का विधिवत उद्घाटन किया। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री चौबे ने धमधा वासियों को बधाई देते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास हेतु तथा विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास के लिए हर संभव मदद दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजना के द्वारा निजी विद्यालयों के समान उत्कृष्ट शिक्षा, अधोसंरचना तथा सुविधाएं समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को भी उपलब्ध कराना इस योजना का उद्देश्य है। उन्होंने अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को स्थानीय बोली तथा परंपराओं को अध्यापन एवं क्रियाकलापों में शामिल करने पर बल दिया। कार्यक्रम में नगर पंचायत धमधा की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता गुप्ता ने बच्चों को कड़ी मेहनत तथा लगन के साथ अध्ययन करने की समझाईश दी। उन्होंने कहा कि बच्चे पूरी लगन से पढ़ाई कर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के इस ड्रीम प्रोजेक्ट के सपनों को साकार करने के साथ ही धमधा नगर का नाम रोशन करें। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अनिता जोसफ ने शालेय प्रतिवेदन का वाचन किया। उन्होंने विद्यालय के प्रति स्कूल शिक्षा मंत्री चौबे के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर दुर्ग जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, के अध्यक्ष राजेन्द्र साह, जिला पंचायत के सभापति राजेन्द्र साहू, नगर पंचायत धमधा के उपाध्यक्ष अशोक कसार सहित गणमान्य नागरिक, पालकगण, स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

खास खबर...

छत्तीसगढ़ सरकार ने जूनियर डाक्टरों की शिष्यवृत्ति बढ़ाने का लिया निर्णय

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जूनियर डाक्टरों की शिष्यवृत्ति बढ़ाने का निर्णय लिया है। जिसकी जानकारी उन्होने अपने ट्वीट के माध्यम से दी है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा है कि यह साझा करते हुए संतोष हो रहा कि हमने जूनियर डॉक्टर्स की शिष्यवृत्ति में वृद्धि करने का निर्णय लिया है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने जूनियर डॉक्टरों की शिष्यवृत्ति में जो बढ़ोत्तरी की है। उसके नवीन दर के अनुसार पीजी प्रथम वर्ष के लिए 53 हजार 550 रुपये से बढ़ाकर 67 हजार 500 रुपये प्रति माह करने का निर्णय लिया है। इसी तरह पीजी द्वितीय वर्ष के लिए 56 हजार 700 रुपये से बढ़ाकर 71 हजार 450 रुपये प्रति माह तथा पीजी तृतीय वर्ष के लिए 59 हजार 200 रुपये से बढ़ाकर 74 हजार 600 रुपये प्रति माह करने का निर्णय लिया है। एमबीबीएस के इंटर्नशिप के छात्रों के लिए 12 हजार 600 रुपये से बढ़ाकर 15 हजार 900 रुपये प्रति माह किया गया है। इस प्रकार से राज्य सरकार के इस निर्णय से अब जूनियर डाक्टरों की शिष्यवृत्ति में साढ़े 3 हजार रुपये से लेकर 15 हजार रुपये तक की बढ़ोत्तरी होगी।

किसानों को अब तक 5772 करोड़ रुपए का कृषि ऋण वितरित

रायपुर। खरीफ सीजन 2023 के लिए 6100 करोड़ रुपए कृषि ऋण के रूप में किसानों को वितरित किए जाने का लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 5 हजार 772 करोड़ 6 लाख रुपए का ऋण किसानों को दिया जा चुका है, जो कि निर्धारित लक्ष्य का 94 प्रतिशत है। गत वर्ष इसी अवधि में राज्य के किसानों को 4 हजार 698 करोड़ रुपए का ऋण प्रदाय किया गया था।

गौरतलब है कि खरीफ वर्ष 2022 में किसानों को 5 हजार 563 करोड़ रुपए का कृषि ऋण प्रदाय किया गया था। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में जैविक खाद के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों को वर्मी कम्पोस्ट भी कृषि आदान के रूप में उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था सहकारी समितियों में की गई है।

खरीफ फसलों की बोनी के लिए 8 लाख 22 हजार 483 क्विंटल बीज वितरित

रायपुर। चालू खरीफ सीजन में राज्य के किसानों को सरकारी समितियों एवं निजी क्षेत्र के माध्यम से प्रमाणिक बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अब तक किसानों को विभिन्न खरीफ फसलों के 8 लाख 22 हजार 483 क्विंटल प्रमाणिक बीज प्रदाय किया गया है, जो कि इस साल के बीज वितरण लक्ष्य का 81 प्रतिशत है।

गौरतलब है कि राज्य में खरीफ की विभिन्न फसलों के बीज की कुल मांग 10 लाख 18 हजार क्विंटल के विरूद्ध 9 लाख एक हजार 344 क्विंटल बीज भण्डारण किया जा चुका है, जो निर्धारित लक्ष्य का 89 प्रतिशत है। किसानों को अब तक 8 लाख 22 हजार 483 क्विंटल बीज का वितरण किया गया है, जिसमें 7 लाख 82 हजार 471 क्विंटल धान बीज, 23 हजार 677 क्विंटल मक्का, 1621 क्विंटल अरहर, 4086 क्विंटल सोयाबीन तथा 10 हजार 627 क्विंटल अन्य खरीफ फसलों के बीज का वितरण शामिल है।

छत्तीसगढ़ सरकार युवा ऊर्जा को सही दिशा देने के लिए लगातार काम कर रहीः मुख्यमंत्री बघेल

मुख्यमंत्री 'कोड-ए-थान' कार्यक्रम में हुए शामिल

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल के 6 बच्चें हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। युवाओं से भेंट-मुलाकात के दौरान युवा मुझे बताते है कि उन्हें कोडिंग आती है, एप बनाना आता है। हमारी पीढ़ी के लोगों को यह बात चकित कर सकती है, लेकिन आज की सच्चाई यही है। तकनीकी रूप से हम बहुत आगे बढ़ चुके है और इसका दायरा भी बढ़ रहा है। छोटे शहरों, कस्बों से लेकर गांवों तक युवा नई तकनीक के बारे में लगातार अपडेट रहते है और स्मार्टली सारे काम करते है। यह खुशी की बात है कि कोड-ए-थान के इस कार्यक्रम में आज स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल के 6 बच्चों को सम्मानित किया गया है। शासकीय स्कूल के बारे में पहले ऐसी कल्पना करना कठिन था। मैं सम्मानित सभी बच्चों को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजधानी रायपुर के निजी होटल में आयोजित 'कोड-ए-थान' कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि स्वामी आत्मानंद तथा स्वर्गीय डॉ. चन्दूलाल चन्द्राकर के घनश्याम दास बिड़ला के साथ अच्छे संबंध रहे है। यही कारण है कि बिड़ला समूह से मेरा भावनात्मक जुड़ाव है। हमारे प्रिय स्वर्गीय डॉ. चंदूलाल चंद्राकर ने हिन्दुस्तान टाईम्स अखबार में अपनी सेवाएं दी थी। इसी तरह स्वामी आत्मानन्द `भी बिड़ला हाउस में प्रतिवर्ष उपनिषद पर व्याख्यान देने जाते थे। श्री बघेल ने कहा कि कोड-ए-थान के माध्यम से युवाओं को नई तकनीक को जानने और समझने का अवसर मिला है। वर्तमान समय में इसकी आवश्यकता अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि युवा ऊर्जा के सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने से बड़ी से बड़ी उपलब्धि आसानी से हासिल होती है और यह उपलब्धि व्यक्तिगत नहीं बल्कि समाज, प्रदेश व देश के लिए होती है। प्रदेश के युवाओं में असीम ऊर्जा है। केवल उसे सही दिशा देने की आवश्यकता है। मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार युवा ऊर्जा को सही दिशा देने के लिए लगातार काम कर रही है। हमारी सरकार शिक्षा के मंदिर अर्थात स्कूलों के जीर्णोद्धार के लिए अलग से 1100 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया है। अंग्रेजी में शिक्षा के लिए 350 से अधिक स्वामी आत्मानंद शासकीय स्कूल खोले गए है। मुख्यमंत्री ने तकनीक के अच्छे व बुरे प्रभावों के बारे में भी अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि इसका सही उपयोग देश को आगे बढ़ने में मदद करेगा, लेकिन इसके दुष्प्रयोग से भयावह परिणाम हो सकते है। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश के युवाओं को केवल कक्षा 12वीं तक ही अंग्रेजी माध्यम में शिक्षित नहीं करना चाहते बल्कि उन्हें अंग्रेजी में उच्च शिक्षा देने के लिए 10 अंग्रेजी महाविद्यालय खोलने का भी निर्णय लिया है। सम्बोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने स्वामी आत्मानंद स्कूल के अस्तित्व में आने की पूरी कहानी बच्चों से साझा की।

मुख्यमंत्री ने बच्चों के सवालों का दिए जवाब

कोड-ए-थान कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री और स्कूली छात्राओं के बीच संवाद हुआ और उन्होंने बच्चों के जिज्ञासाओं के जवाब भी दिए। स्वामी आत्मानंद स्कूल के छात्र द्वारा शिक्षा और रोजगार को लेकर सवाल पूछने पर मुख्यमंत्री ने बताया कि शिक्षा और रोजगार साथ साथ चलते है, शिक्षा और रोजगार सबको मिलना चाहिए। लेकिन एक बात जरूरी है कि शिक्षा लेकर रोजगार की तरफबढ़ने से आप अधिक बेहतर परिणाम दे सकते है। यदि पसन्द के फील्ड में आगे बढ़े तो सफलता की संभावना अधिक रहती है। महात्मा गांधी मेधावी नहीं थे, लेकिन उन्होंने सही रास्ता चुना और उनको आज दुनिया जानती है। एक छात्रा ने मुख्यमंत्री से पूछा कि आईएएस बनने के लिए क्या करना होगा? जवाब में मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि समय का पाबंद होने से सफलता मिलेगी। सभी कामों को तय समय में करने पर आप अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है। आईएएस बनना सरल है लेकिन आईएएस बनकर समाज और देश के लिए समर्पित होकर कार्य करने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होना जरूरी है। आप मुख्यमंत्री कैसे बने? एक बच्चे के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि लगातार आमजनों की समस्याओं को दूर करने का प्रयास करते रहना और मुख्यधारा में रहकर उनका नेतृत्व करने से यह सफलता मिली है इसका कोई शॉर्टकट नहीं है।

राज्य में खाद-बीज और कीटनाशक औषधियों की गुणवत्ता की जांच जारी

अमानक नमूने वाले खाद-बीज के लॉट के विक्रय पर प्रतिबंध

विक्रेता संस्थानों को कारण बताओ नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा राज्य में रासायनिक उर्वरकों, बीज एवं कीटनाशक औषधि की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। कृषि विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी अपने-अपने इलाकों में लगातार दबिश देकर बीज, खाद और कीटनाशक औषधियों के सेम्पल ले रहे हैं, जिसकी जांच गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला में की जा रही है। खरीफ सीजन 2023 में अब तक राज्य में बीज के 89 नमूने तथा रासायनिक उर्वरक के 25 नमूने अमानक पाए गए हैं, जिनके लाट के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाने के साथ ही संबंधित फर्मों को कृषि विभाग ने नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया गया है।

अपर संचालक कृषि (उर्वरक) एस.सी. पदम ने बताया कि खरीफ सीजन 2023 में बीज के 5000, उर्वरक के 3500 तथा पौध संरक्षण औषधि के 556 नमूने लिए जाने का लक्ष्य है। विभागीय अधिकारियों की टीम द्वारा अब तक बीज के 3958 नमूने लिए गए हैं, जिन्हें प्रयोगशाला भेजकर परीक्षण कराया गया है। परीक्षण में 3762 नमूने मानक स्तर के तथा 89 अमानक स्तर के पाए गए हैं, जबकि 107 नमूने अभी परीक्षण की प्रक्रिया में हैं।

इसी तरह रासायनिक उर्वरकों की गुणवत्ता की जांच-पड़ताल के लिए कृषि विभाग के उर्वरक निरीक्षकों द्वारा 3006 नमूने विभिन्न संस्थानों से एकत्र कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं, अभी तक प्राप्त रिपोर्ट में 1267 नमूने मानक स्तर के तथा 25 नमूने अमानक स्तर के मिले हैं। 1566 नमूने अभी जांच की प्रक्रिया में हैं, जबकि 148 नमूने कतिपय कारणों से निरस्त कर दिए गए हैं। अमानक बीज एवं खाद के लाट के विक्रय को विभाग द्वारा प्रतिबंधित किए जाने के साथ संबंधित संस्थाओं को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। कृषि विभाग की टीम कीटनाशक औषधियों के गुणवत्ता की भी लगातार जांच कर रही है। जांच पड़ताल टीम ने अब तक कुल 84 सेम्पल विभिन्न फर्मों से लिए हैं, जिसमें से 30 सैम्पल मानक स्तर के और 3 अमानक पाए गए हैं। 37 सैंपल अभी जांच की प्रक्रिया में हैं, जबकि 14 सैंपल कतिपय कारणों से निरस्त हुए हैं।

37 लाख 50 हजार हेक्टेयर में हो चुकी खरीफ फसलों की बुआई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में खरीफ फसलों की बुआई अंतिम चरण में पहुंच गई है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक धान, अन्य अनाज के फसलों सहित तिलहन और साग-सब्जी की बुआई 37 लाख 50 हजार 140 हेक्टेयर में हो चुकी है, जो कि चालू खरीफ सीजन के लिए निर्धारित बोआई के लक्ष्य का 78 प्रतिशत है। अब तक राज्य में 31 लाख 46 हजार हेक्टेयर में धान, एक लाख 89 हजार 190 हेक्टेयर में मक्का, 49 हजार हेक्टेयर में कोदो, कुटकी एवं रागी, एक लाख 52 हजार 220 हेक्टेयर में दलहन, 84 हजार 750 हेक्टेयर में तिलहन तथा एक लाख 19 हजार 180 हेक्टेयर रकबे में साग-सब्जी एवं अन्य फसले तथा 9 हजार 670 हेक्टेयर में गन्ने की बुआई पूरी कर ली गई है।

राज्य में खरीफ सीजन 2023 में 48 लाख 20 हजार हेक्टेयर रकबे में खरीफ फसलों की बुआई का लक्ष्य है, जिसमें 36 लाख हेक्टेयर में धान, 4 लाख एक हजार हेक्टेयर में मक्का सहित कोदो-कुटकी, रागी की फसलें, 4 लाख 48 हजार 180 हेक्टेयर में दलहन, 3 लाख 60 हजार हेक्टेयर में तिलहन तथा 2 लाख 9 हजार हेक्टेयर में तिलहन तथा 2 लाख 50 हजार हेक्टेयर में साग-सब्जी एवं अन्य फसलों की खेती का लक्ष्य निर्धारित है। निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध अब तक धान की बोता-बोनी 24 लाख 70 हजार 210 हेक्टेयर में की जा चुकी है। इसी तरह राज्य में 6 लाख 75 हजार 870 हेक्टेयर में धान का रोपा लगाया गया है। धान की बोता और रोपा बोनी को मिलाकर कुल 31 लाख 46 हजार हेक्टेयर में धान की बुआई हो चुकी है, जो कि धान बोनी के लक्ष्य का 87 प्रतिशत है। दलहन फसलों के अंतर्गत अरहर की बोनी 78 हजार 610 हेक्टेयर में, मूंग की 7 हजार 820 हेक्टेयर में, उड़द की 65 हजार 500 तथा कुल्थी की बोनी 290 हेक्टेयर में हो चुकी है, जो कि दलहनी फसलों के लिए निर्धारित 3 लाख 60 हजार हेक्टेयर बोनी के लक्ष्य का 42 प्रतिशत है।

किसानों को 10.18 लाख मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरक वितरित

वितरण लक्ष्य से 2.51 लाख मीट्रिक टन से अधिक उर्वरक भंडारित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खरीफ सीजन के लिए राज्य में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। इस साल 12.19 लाख मीट्रिक टन उर्वरक वितरण के लक्ष्य के विरूद्ध मार्कफेड, सहकारी समिति एवं निजी क्षेत्र में 14.70 लाख मेट्रिक टन उर्वरक भण्डारित है, जो कि वितरण लक्ष्य का 121 प्रतिशत है। किसानों को विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों का वितरण लगातार जारी है। अब तक किसानों को सहकारी समितियों एवं निजी फर्मों से 10 लाख 18 हजार 965 मीट्रिक टन उर्वरक का वितरण किया जा चुका हैं, जिसमें 4 लाख 70 हजार 36 मीट्रिक टन यूरिया, 2 लाख 84 हजार 646 मीट्रिक टन डीएपी, 74 हजार 85 मीट्रिक टन एनपीके, 36 हजार 872 मीट्रिक टन पोटाश तथा एक लाख 36 हजार 326 मीट्रिक टन सुपर फास्फेट शामिल है।

चालू खरीफ सीजन के लिए राज्य में सहकारिता एवं निजी क्षेत्र के माध्यम से किसानों को 12 लाख 19 हजार मीट्रिक टन खाद वितरण का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके विरूद्ध 14 लाख 70 हजार 372 मीट्रिक टन का भण्डारण करा लिया गया है, जो कि लक्ष्य का 121 प्रतिशत है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मार्कफेड के डबल लाक और समितियों में कुल 8 लाख 80 हजार 177 मीट्रिक टन तथा निजी क्षेत्र के विक्रेताओं के यहां 5 लाख 90 हजार 195 मीट्रिक टन खाद का भण्डारण किया गया है। फिलहाल राज्य में डबल लाक और सहकारी समितियों में 2 लाख 39 हजार 31 मीट्रिक टन तथा निजी विक्रेताओं के यहां 2 लाख 12 हजार 376 मीट्रिक टन इस प्रकार कुल 4 लाख 51 हजार 407 मीट्रिक टन उर्वरक वितरण हेतु उपलब्ध है।

रायपुर समेत छह जिलों में सामान्य से ज्यादा वर्षा

रायपुर (ए)। प्रदेश में एक जून से लेकर पांच अगस्त तक 616.1 मिमी बारिश हुई है,इनमें रायपुर समेत छह जिलों में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार साथ ही 16 जिलों में सामान्य बारिश व पांच जिलों में कम वर्षा हुई है। रायपुर जिले में 775.2 मिमी वर्षा हुई है,जो सामान्य से 36 फीसद ज्यादा है। इसी प्रकार बीजापुर में सर्वाधिक 1074.6 मिमी बारिश हुई है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले तीन दिनों में प्रदेश में अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। शनिवार सुबह से ही रायपुर सहित प्रदेश भर में आंशिक रूप से बादल छाए रहे। प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हल्की वर्षा भी हुई।

मौसम विज्ञानियों का कहना है कि प्रदेश में अब बारिश की गतिविधि थोड़ी कम रहेगी और अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी के आसार है। आने वाले कुछ दिनों तक प्रदेश में मौसम का मिजाज ऐसा ही रहेगा। बीते सप्ताह हुई बारिश को देखते हुए अगस्त माह में भरपुर वर्षा होने की उम्मीद की जा रही है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

ह्यूमिडिटी की स्थिति में न लें ये 5 ब्यूटी लुक, पलभर में बिगड़ जाएगा पूरा मेकअप

त्वचा के प्रकार के अलावा मौसम के अनुसार भी चेहरे पर मेकअप उत्पादों का उपयोग करना चाहिए।अगर ऐसा न किया जाए तो पूरा मेकअप लुक बिगड़ सकता है। जैसे कि अभी मानसून का मौसम है तो इस दौरान ह्यूमिडिटी काफी बढ़ जाती है, जिसके कारण बहुत पसीना आता है। आइए आज हम आपको बताते हैं कि ह्यूमिडिटी की स्थिति में किस तरह के ब्यूटी लुक्स लेने से बचना चाहिए।

आंखों का भारी मेकअप न करें

आपको चाहें किसी शादी में जाना हो या पार्टी में, आंखों का भारी मेकअप करने से बचें।कई आईशैडो, आईलाइनर और मस्कारा के साथ आंखों का भारी मेकअप लुक ह्यूमिडिटी के कारण आसानी से फैल या फिर फीका हो सकता है।अगर आप इस समस्या से बचे रहना चाहते हैं तो वॉटरप्रूफ फॉर्मूले वाले आई मेकअप उत्पादों को चुनकर आंखों पर हल्का मेकअप लगाएं। यहां जानिए आंखों का मेकअप करते समय कौन-सी गलतियां नहीं करनी चाहिए।

भारी फाउंडेशन न लगाएं

ह्यूमिडिटी की स्थिति में हल्का, तेल मुक्त फाउंडेशन या टिंटेड मॉइस्चराइजर का चयन करें, जो त्वचा पर भारीपन महसूस करवाए बिना कवरेज प्रदान करते हैं। वैसे पाउडर फाउंडेशन का उपयोग करना सबसे अच्छा है। इसका मुख्य कारण है कि यह कई घंटों तक चेहरे के अतिरिक्त तैलीय प्रभाव को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, जिस वजह से मेकअप के फैलने की संभावना काफी कम हो जाती है। इसके अलावा इससे आपको मैट फिनिश मेकअप लुक मिलता है।

लिप ग्लॉस का न करें उपयोग

ह्यूमिडिटी की स्थिति में लिप ग्लॉस के खराब होने की संभावना अधिक रहती है। ऐसे में अपने होठों को हाइड्रेट रखने के लिए लिपस्टिक से पहले इन पर हल्का लिप बाम या फिर लिप स्टेन लगाएं। इसके अतिरिक्त गुलाबी, हल्के भूरे या न्यूड रंग की सॉफ्ट मैट लिपस्टिक का इस्तेमाल करें, जो ट्रांसफर-प्रूफ हो। अगर आपके पास क्रीमी फॉर्मूले में लिपस्टिक है तो उसे लगाने के बाद होंठों पर थोड़ा-सा पाउडर लगाएं।

सही तरह से मेकअप को ब्लेंड न करना

यह एक सबसे बड़ी गलती है, जिसे महिलाएं अक्सर दोहराती हैं। भले ही आपने कितने भी महंगे मेकअप उत्पाद क्यों न खरीदे हों, लेकिन इनका फायदा आपको तब तक नहीं मिल सकता, जब तक इन्हें सही से लगाया न जाए। हल्का फाउंडेशन चुनने की तरह ही ह्यूमिडिटी की स्थिति समेत हर तरह के मौसम में मेकअप उत्पादों को ठीक से ब्लेंड करना जरूरी है।

त्वचा की देखभाल को न करें नजरअंदाज

स्वस्थ और खूबसूरत त्वचा बनाए रखने के लिए त्वचा की देखभाल को प्राथमिकता देना बहुत जरूरी है। हाई ह्यूमिडिटी के स्तर से अत्यधिक पसीना आ सकता है, रोमछिद्र बंद हो सकते हैं और तेल का उत्पादन बढ़ सकता है, जिसके परिणामस्वरूप चेहरा फीका पड़ सकता है। इन समस्याओं से बचने के लिए लगातार त्वचा देखभाल की दिनचर्या का पालन करें जैसे दिन में 2 बार अपना चेहरा साफ करना, त्वचा को एक्सफोलिएट करना और हल्के मॉइस्चराइजर का उपयोग करें।

फिल्म अकेली: अपराध की दुनिया में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ती दिखीं नुसरत

अभिनेत्री नुसरत भरूचा लंबे समय से फिल्मी दुनिया में सक्रिय हैं। फिल्म सोनू के टीटू की स्वीटी भले ही उनके करियर के लिए मील का पत्थर साबित हुई हो, लेकिन जनहित में जारी और छोरी जैसी फिल्मों से नुसरत ने यह साबित कर दिया कि वह अपने दम पर फिल्म ढोने का माद्दा रखती हैं। पिछले कुछ समय से वह फिल्म अकेली को लेकर चर्चा में हैं और अब उनकी इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि नुसरत ट्रक में एक अनजान जगह पर आ गई हैं। बंदूक, अपराध और खूंखार की इस खौफनाक दुनिया में वह अकेली हैं और काफी घबराई हुई हैं। जंग के मैदान में खुद को बचाने के लिए वह मजबूरन बंदूक भी उठाती हैं।नुसरत अकेली अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ती दिख रही हैं। ट्रेलर में रोमांच भी है, वहीं नुसरत के अनदेखे अवतार ने इस फिल्म की रिलीज को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है।

'छोरी' में दमदार किरदार के बाद, नुसरत भरुचा एक बार फिर दमदार रोल में लौट आई हैं। भले ही एक्ट्रेस की पिछली फिल्म जनहित में जारी फ्लॉप साबित हुई हो। लेकिन नुसरत ने लीक से हटकर रोल करना बंद नहीं किया है। अकेली की बात करें तो ये डायरेक्टर प्रणय मेश्राम के निर्देशन में बनी फिल्म है। ये एक थ्रिलर-ड्रामा है, जिसमें नुसरत लीड रोल प्ले करती दिखेंगी। नुसरत के अलावा फिल्म में निनाद वैद्य, अपर्णा पडगांवकर, नितिन वैद्य और शशांक शाह अहम रोल में हैं।

फिल्म का ट्रेलर देखकर ही अंदाजा हो जाता है कि इसमें जबरदस्त सस्पेंस और ड्रामा देखने को मिलेगा। फिल्म से द केरला स्टोरी जैसी वाइब्स आती हैं। फैंस भी इसकी तुलना द केरला स्टोरी से कर रहे हैं। 'अकेली' 18 अगस्त, 2023 को सिल्वर स्क्रीन पर रिलीज हो रही है।

कंगना रनौत की चंद्रमुखी 2 से राघव लॉरेंस का फर्स्ट लुक आया सामने

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत जल्द ही दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने जा रही हैं। पिछले कुछ वक्त से वह अपनी फिल्म चंद्रमुखी 2 को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वह तमिल अभिनेता राघव लॉरेंस के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म पी वासु निर्देशित साल 2005 में आई तमिल कॉमेडी हॉरर चंद्रमुखी की अगली किस्त है। अब निर्माताओं ने चंद्रमुखी 2 से राघव का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है, जिसमें वह काफी दमदार अवतार में नजर आ रहे हैं।

चंद्रमुखी 2 15 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म को हिंदी, तेलुगू, मलायलम और कन्नड़ में रिलीज किया जाएगा। राघव ने ट्वीटर पर चंद्रमुखी 2 का पहला पोस्टर जारी किया है।इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, थलाइवर सुपरस्टार को धन्यवाद। यहां आपके लिए प्रस्तुत है वेट्टैयन की पहली झलक। मुझे आप सभी के आशीर्वाद की आवश्यकता है। चंद्रमुखी 2 का निर्माण लाइका फिल्म्स के बैनर तले किया जाएगा। इसमें कंगना विश्व प्रसिद्ध डांसर की भूमिका अदा करेंगी।

बता दें कि चंद्रमुखी 2 साल 2005 में आई सुपस्टार रजनीकांत स्टारर फिल्म चंद्रमुखी का सीक्वल का है। इसके अवाला फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर कंगना ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक भावुक पोस्ट किया था, जिसमें उन्होने लिखा था, जैसा कि मैं आज चंद्रमुखी में अपना रोल पूरा करने जा रही हूं, मुझे उन कई बेहतरीन लोगों को अलविदा कहना बहुत मुश्किल हो रहा है जिनसे मैं मिली, मेरे पास इतनी प्यारी टीम थी।

उर्फी जावेद को एकता कपूर कराएंगी बॉलीवुड के दर्शन, बनने जा रहीं लव सेक्स और धोखा 2 की हीरोइन

उर्फी जावेद अक्सर अपने अतरंगी कपड़ों और अजीबो-गरीब फैशन के चलते लोगों के बीच चर्चा का विषय बनती हैं। हालांकि, अब वह एक नई वजह से सुर्खियों में आई हैं। खबर है कि टीवी क्वीन और जानी-मानी निर्माता एकता कपूर उन्हें बॉलीवुड में लॉन्च करने की तैयारी में हैं और वो भी अपनी फिल्म लव सेक्स और धोखा (लव सेक्स और धोखा) के सीक्वल लव सेक्स और धोखा 2 से। उर्फी भी इसे लेकर उत्साहित हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, लव सेक्स और धोखा 2 के निर्माताओं ने फिल्म की लीड हीरोइन के लिए उर्फी से संपर्क किया है और अभिनेत्री ने भी इसमें दिलचस्पी दिखाई है। एकता को लगता है कि उर्फी इस फिल्म के लिए फिट हैं। कोई शक नहीं कि यह फिल्म उर्फी के करियर के लिए एक बड़ी छलांग साबित हो सकती है। बिग बॉस ओटीटी , स्प्लिट्सविला और फिर सोशल मीडिया से नाम कमाने के बाद उर्फी अब फिल्मों में कदम रखने को तैयार है।

2010 में आई लव सेक्स और धोखा में एमएमएस कांड, ऑनर किलिंग और स्टिंग ऑपरेशन सहित कुछ दिलचस्प विषयों को छुआ गया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। 2 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 10 करोड़ रुपये कमाए थे। इसमें अंशुमन झा, नुसरत भरूचा और राजकुमार राव जैसे कलाकार नजर आए थे। इन तीनों ने ही इस फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा था। एकता अब 13 साल बाद इसका सीक्वल लेकर आ रही हैं।

एकता ने 2021 में अपनी इस फिल्म के सीक्वल का ऐलान किया था। उस वक्त इसने अपनी रिलीज के 11 साल पूरे किए थे। एकता ने कहा था, लव सेक्स और धोखा को अपनी दिलचस्प कहानी और शानदार म्यूजिक के लिए याद किया जाता है। इसके दूसरे भाग की घोषणा करने के लिए आज से बेहतर दिन कोई नहीं हो सकता। पिछले दिनों फिल्म के पहले पोस्टर के साथ इसकी रिलीज डेट सामने आई थी। लव सेक्स और धोखा 2 16 फरवरी, 2024 को रिलीज होगी।

उर्फी ने 2016 में शो बड़े भैया की दुल्हनिया से टीवी पर अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह चंद्र नंदनी में दिखीं, वहीं मेरी दुर्गा में आरती के किरदार से भी उर्फी ने दर्शकों का दिल जीता। उर्फी बेपनाह, डायन, ये रिश्ता क्या कहलाता है और कसौटी जिंदगी की जैसे धारावाहिकों का भी हिस्सा रहीं। वह बिग बॉस ओटीटी से चर्चा में आई थीं। इसके बाद उर्फी एमटीवी स्प्लिट्सविला के 14वें सीजन में भी नजर आईं।

एथनिक आउटफिट में अनुष्का सेन ने दिखाई हुस्न की बेबाक अदाएं

टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन अपने ड्रेसिंग सेंस के कारण सोशल मीडिया पर फैंस के बीच चर्चाएं बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस अपना हर एक लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। हाल ही में उनकी लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोज इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। अनुष्का सेन टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक हैं। वो आए दिन अपनी सिम्पलिसिटी से लोगों का ध्यान खींच लेती है। हालिया फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस ने एथनिक लुक से फैंस के बीच कहर ढा दिया है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं अनुष्का सेन ने ब्लैक कलर की साड़ी पहनी हुई है। एक्ट्रेस अपने इस ट्रेडिशनल आउटफिट में बेहद ही शानदार लग रही हैं। साथ ही फैंस उनकी लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक बार फिर से अनुष्का सेन ने अपने ग्लैमरस लुक्स से फैंस के दिलों की धड़कनें तेज कर दी हैं। बता दें कि अनुष्का सेन जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में अब तक 4 लाख से भी ज्यादा यूजर्स लाइक कर चुके हैं। एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- माई ड्रिम गर्ल, तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है- गॉर्जियस अनुष्का। ऐसी ही और भी कॉमेंट्स की बौछार लगी हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
Paul Sir
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की पहल

रायपुर। हाई कोर्ट के जस्टिस गौतम भादुड़ी, कार्यपालक अध्यक्ष छ.ग. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की घटनाओं की रोकथाम हेतु सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को आवश्यक निर्देश जारी किये गए हैं। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव आनंद प्रकाश वारियाल ने बताया कि कार्यपालक अध्यक्ष के निर्देशानुसार सालसा द्वारा इस संबंध में एक उपयुक्त प्रशिक्षण मॉडयूल एवं एसओपी तैयार कर सभी जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को इस निर्देश के साथ प्रसारित किया गया है कि वे अपने जिला मुख्यालय एवं तहसील स्तर पर इस संबंध में कार्यशाला एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें जिसमें संबंधित नियमों के बारे मे आवश्यक जानकारी प्रदान की जावेगी। जिससे कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की घटनाओं को रोका जा सके और महिला कर्मचारी भयमुक्त होकर एवं सम्मानपूर्वक अपना कार्य कर सके। उपरोक्त कार्यशाला एवं जागरूकता कार्यक्रम में सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं अशासकीय कार्यालय के प्रमुख एवं अन्य स्टेकहोल्डर्स को शामिल किया जावेगा। वारियाल ने बताया कि कार्यपालक अध्यक्ष के निर्देशानुसार सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय, अशासकीय एवं अन्य स्थानों पर जहां नियोक्ता एवं कर्मचारी,अधिकारी कार्यरत हों तो ऐसे स्थानों पर यौन उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने एवं सख्ती से पालन किये जाने हेतु सभी कार्यालयों में एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाये, जिससे प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पीपरछेड़ी में छात्राओं को सायकल वितरण

गरियाबंद। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पीपरछेड़ी में कक्षा 9वी के अनुसूचित जाति,जनजाति व पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को साइकिल वितरण किया गया।इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 6 से फिरतू राम जी कंवर,जनपद सदस्य वीरेंद्र ध्रुव,सरपंच पिपरछेड़ी गैंडलाल दीवान अध्यक्ष,शाला विकास समिति अश्वनी वर्मा, सांसद प्रतिनिधि दीपेश दीवान,पालक सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही विद्यालय से प्राचार्य बसंत त्रिवेदी,वरिष्ठ व्याख्याता कामता प्रसाद साहू,वीरेंद्र सिन्हा,दिनेश निर्मलकर,किरण दीवान,हरि नारायण यादव,दीपक गवली,डॉ.ओमप्रकाश वर्मा,नूतन साहू,योगेश्वरी यादव,हेमंत कुमार दाऊ,सूरज महडिक सहित अन्य कर्मचारी हितेंद्र सिन्हा,पुरषोत्तम ध्रुव टेकराम की उपस्थिति रही।

अमृत भारत स्टेशन योजना : 500-500 करोड़ रुपए से संवरेंगे दुर्ग, रायपुर व बिलासपुर रेलवे स्टेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों का शिलान्यास वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। इनमें छत्तीसगढ़ के 7 रेलवे स्टेशन रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, तिल्दा-नेवरा, अकलतरा, भिलाई पावर हाउस और महासमुंद शामिल हैं। बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर के महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों कों प्रत्येक स्टेशनों के लिए 500 करोड़ रूपए की लागत से एक बड़ा उन्नयन मिलेगा। रायपुर में आयोजित समारोह में रायपुर से राज्यपाल विश्व भूषण हरि चंदन शामिल हुए।

गौरतलब है कि इस योजना में छत्तीसगढ़ के कुल 32 रेलवे स्टेशन को शामिल किया गया है। इन स्टेशनों के पुनर्विकास में 1660 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। राज्यपालश्री हरि चंदन ने रायपुर रेलवे स्टेशन के विकास के लिए तैयार मॉडल का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन में आयोजित की गई थी। इस मौके पर राज्यपाल हरिचंदन ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास के शिलान्यास के इस समारोह में उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। यात्री सुविधाओं का विकास देश के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग थी, जिसे अब पूरा कर दिया गया है। रेलवे देश की जीवन रेखा है। रेलवे के विकास का देश के विकास पर तत्काल और सीधा प्रभाव पड़ता है। आर्थिक विकास में उत्प्रेरक के रूप में रेलवे की भूमिका सार्वभौमिक रूप से मान्यता प्राप्त है।

उन्होंने कहा कि रेल मंत्रालय देश भर में रेल नेटवर्क के तेजी से विकास और रेलवे द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में सुधार के लिए सभी प्रयास कर रहा है। देश भर में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1307 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का वर्तमान प्रयास रेलवे के साथ बेहतर सुविधाओं और यात्री अनुभव की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। हरिचंदन ने कहा कि मुझे यह जानकर खुशी हुई कि इस महत्वाकांक्षी अमृत भारत स्टेशन योजना में छत्तीसगढ़ के कुल 32 रेलवे स्टेशन शामिल हैं। इन 32 स्टेशनों के पुनर्विकास में 1660 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने आज छत्तीसगढ़ में 7 स्टेशनों की आधारशिला रखा। जिनमें रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, तिल्दा-नेवरा, अकलतरा, भिलाई पावर हाउस और महासमुंद शामिल हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित की जाने वाले इन स्टेशनों पर वाइड कॉनकोर्स, फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट, एस्केलेटर, वेटिंग रूम, वाणिज्यिक क्षेत्र और रिटेल काउंटर आदि जैसी आधुनिक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। योजना में मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट की परिकल्पना की गई है। अन्य छोटे स्टेशनों पर भी यात्री सुविधाओं का उन्नयन किया जाएगा और उन्हें चौड़े एफ्रोबी, अग्रभाग सुधार, प्रतीक्षा क्षेत्र, लिफ्ट, एस्केलेटर आदि जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

रायपुर लोकसभा के सांसद सुनील सोनी ने प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत् रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास देश सहित प्रदेशवासियों के लिए बड़ी सौगात है। रेलवे स्टेशनों का विकास एयरपोर्ट के तर्ज पर किए जाने की सोच प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट की तर्ज पर रायपुर रेलवे स्टेशन एक मॉडल स्टेशन के रूप बनकर तैयार होगा।

मोदी राज में देश की अर्थव्यवस्था तबाही की ओर - कांग्रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मोदी सरकार के कुप्रबंधन के कारण देश की अर्थव्यवस्था तबाही की ओर जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार के निकम्मेपन का बढ़ता स्तर भारतीय मुद्रा को इतिहास के सबसे निचले स्तर तक गिरा चुका है। मोदी सरकार देश की अर्थव्यवस्था नहीं संभाल पा रही है। आजादी के बाद भारतीय रूपया अपने सबसे निचले पायदान पर है। आज अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रूपये की कीमत 82.25 रू. हो गई है।

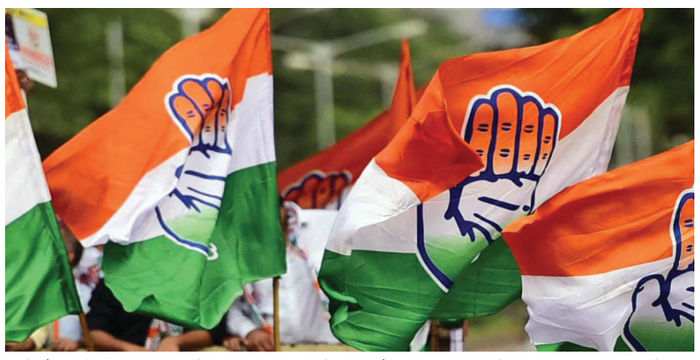

75 साल में रूपया इतना कभी नहीं गिरा। जब यूपीए सरकार में रूपया गिरा था तो पीएम मोदी इसको लेकर मखौल किया करते थे। मोदी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पर टिप्पणी करते हुये कहा था कि प्रधानमंत्री और रूपये में गिरने की होड़ लगी है। आज जब भारतीय रूपया अब तक के सबसे नीचे के पायदान पर है तब भी क्या मोदी अपने बयान पर कायम है? क्या आज भी रूपया और प्रधानमंत्री में नीचे गिरने की होड़ लगी हुई है? मोदी सरकार में भारतीय रूपये आईसीयू में चला गया है। अब यह भाजपा के मार्गदर्शक मंडल की उम्र को भी क्रॉस कर गया है। आखिर इसकी वजह क्या है? रूपया सबसे निचले स्तर पर आ गया है। मोदी सीएम होते तो सरकार पर निशाना साधते और देशद्रोही बता देते लेकिन पीएम मोदी चुप है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कोविड आने से पहले ही 2017 में नोटबंदी और जीएसटी के प्रभाव से देश में कैशफ्लो में 77 प्रतिशत तक कमी आ चुकी थी। उल्टी दिशा में तेजी से भाग रही अर्थव्यवस्था के लिये मोदी सरकार पूंजीवादी, मुनाफाखोरी और गलत आर्थिक नीतियां ही जिम्मेदार है। अपने चंद पूंजीपति मित्रों को मुनाफा पहुंचाने कोल, पेट्रोलियम, खाद्य तेल जैसे आवश्यक वस्तु का देश के भीतर उत्पादन कम करके आयातित महंगे उत्पादों को खपाने का कुत्सित प्रयास मोदी सरकार कर रही है और इसी कारण लगातार भारतीय रूपया टूट रहा है। सदियों से बांग्लादेश को निर्यात किए जाने वाला चावल भी अब बंद हो गया है। कॉटन यार्न का निर्यात भी तेजी से घटा है। मोदी राज में आयात दिनों-दिन बढ़ रहा है और निर्यात कम हो रहा है जिसके चलते वैश्विक व्यापार संतुलन बिगड़ रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि 2014 में जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तब भारतीय मुद्रा 58 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर था। आज भारतीय मुद्रा 82.25 डॉलर के स्तर तक गिर चुका है। मोदी सरकार के 9 साल के शासनकाल में भारतीय मुद्रा लगभग 20 रुपये प्रति डॉलर गिर चुका है। भाजपा ने हमेशा से ही कांग्रेस द्वारा निर्मित देश के आधारभूत ढांचे को खोखला करने का काम किया है। भाजपा राज में एक तरफ मोदी सरकार के खरबपति मित्रों की आय बढ़ती जा रही है और दूसरी तरफभारतीय अर्थव्यवस्था को ग्रहण लगते जा रहा है। उद्योगपतियों के उंगलियों पर बेशर्मी से नाच रही मोदी सरकार द्वारा निर्मित महंगाई जनता को लगातार नोच खा रही है।देश में हर रोज गरीबों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है, हर रोज किसी न किसी उपक्रम पर ताला लग रहा है, प्रतिवर्ष दो करोड़ रोजगार देने की बात करने वाली सरकार में हर रोज सैकड़ों लोग बेरोजगार हो रहे हैं। भारतीय मुद्रा दिन-ब-दिन कमजोर होता जा रहा है। अयोग्य और निकम्मी मोदी सरकार देश की अर्थव्यवस्था को गर्त की ओर ले जा रही है।

कलेक्टर ने स्वामी आत्मानंद स्कूल में बच्चों को किया प्रोत्साहित

ीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। कलेक्टर आकाश छिकारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों का लगातार दौरा कर विकास कार्यों और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ले रहे है।इसी कड़ी में आज उन्होंने छुरा विकासखंड के स्कूल,अस्पताल, एकलव्य विद्यालय,तहसील एवं हाट बाजार क्लीनिक का औचक निरीक्षण किया।कलेक्टर ने छुरा के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पहुंचकर चल रहे कक्षा में बच्चों से बात की।

उन्होंने बच्चों को अच्छी शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि स्कूल समय पर प्रतिदिन स्कूल आना, सिलेबस पूरा पढ़ना और पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को हल करते हुए नियमित टेस्ट देना ही सफलता का मूल मंत्र है।उन्होंने बच्चों से बात कर आत्मानंद स्कूल में विकसित की गई सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली।बच्चों ने आत्मानंद स्कूल में पढ़ाई की अच्छी व्यवस्था होने की जानकारी कलेक्टर को दी।इस दौरान उन्होंने जीव विज्ञान,रसायन और भौतिक शास्त्र के प्रयोगशालाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने सैद्धांतिक शिक्षा के साथ प्रायोगिक शिक्षा भी साथ साथ प्रदान करने के निर्देश शिक्षकों को दिए।कलेक्टर ने छुरा तहसील कार्यालय पहुंचकर निर्वाचन के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदाता पुनरीक्षण के कार्यों को गंभीरता और सक्रियता से करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही डेमोंस्ट्रेशन ईव्हीएम को उचित जगह रखकर अधिक से अधिक लोगों को मॉकपोल के बारे में जानकारी देने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री छिकारा ने छुरा में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया।उन्होंने अस्पताल में ओपीडी, आईपीडी,दवाईयों की उपलब्धता,मेडिकल स्टॉफ एवं साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।साथ ही निर्माणाधीन ऑपरेशन थिएटर,औषधि भंडार कक्ष का भी अवलोकन किया। उन्होंने आईपीडी मरीजों के शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड से ईलाज करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने अस्पताल में ईलाज कराने के लिए भर्ती मरीज रूपीराम और मन्नुलाल से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली,साथ ही अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी पूछा। मरीजों ने बताया कि अस्पताल में ईलाज के साथ नाश्ता और खाना भी दिया जाता है।

सड़कों का नवीनीकरण होने से मिलेगी बेहतर आवागमन की सुविधा- मंत्री अकबर

2.09 करोड़ रूपए की लागत से तीन सड़कों के नवीनीकरण कार्यों का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने अपने एक दिवसीय कबीरधाम प्रवास के दौरान कवर्धा विधानसभा के समुचित विकास और गांव से कनेक्टिविटी करने सड़क नवीनीकरण कार्यों के लिए करोड़ों रूपए की सौगात दी। उन्होंने ग्राम पोड़ी में सड़क नवीनीकरण कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम में कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के लिए लगभग 02 करोड़ 9 लाख 26 हजार रूपए की लागत से 03 सड़कों के नवीनीकरण कार्यों का भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री अकबर ने कहा कि कबीरधाम जिले में अब ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए पुराने और खराब हो चुके सड़कों का नवीनीकरण कर जिला मुख्यालय से सुगम सीधा संपर्क स्थापित होगा। इससे लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि सड़कों से क्षेत्र के विकास की गति को मिलती है साथ ही बसावटों को आपस में जोड़ने का कार्य करती है। कार्यक्रम में वनमंत्री श्री अकबर ने मेनरोड़ बैरख-टी 03 से ढोलबज्जा लागत 1 करोड़ 02 लाख 82 हजार रूपए, बोदा से लब्दा लागत 75 लाख 85 हजार रूपए और लालपुर से बोल्दाखुर्द लागत 12 लाख 99 हजार रूपए की लागत से 03 सड़कों के नवीनीकरण कार्यों का भूमिपूजन किया।

वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि वनांचल सहित मैदानी क्षेत्रों में विकास के लिए लगातार निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। एक गांव से दूसरे गांव कनेक्ट करने के लिए पुल-पुलिया और सीसी रोड निर्माण कार्य भी किए जा रहे हैं जिससे ग्रामवासी को आवागमन में सुविधा मिले। उन्होंने कहा कि मेनरोड़ बैरख-टी 03 से ढोलबज्जा, बोदा से लब्दा और लालपुर से बोल्दाखुद में सड़को का मरम्मत होने से ग्रामवासियों को आने-जाने में सुविधा होगी। इससे बरसात के दिनों में होने वाली दिक्कतों से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि कबीरधाम जिले के वनांचल क्षेत्रों को शहरो से जोड़ने के लिए सड़कों का जाल बिछाने का कार्य चल रहा है। वहीं जर्जर सड़कों का मरम्मत कार्य तीव्रगति से किया जा रहा है। सड़क निर्माण जल्द पूर्ण और मरम्मत से जिले में वनांचल क्षेत्रों तक सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि होरी साहू, पितांबर वर्मा, अगम दास अनंत, रामकुमार पटेल, जनपद सदस्य विजय राजपुत, राजकुमार तिवारी, विजय पाण्डेय, विनायक द्विवेदी इदरीश खान सरपंच-पंच सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मंत्री कवासी लखमा ने मानकापाल में विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। उद्योग एवं आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने शनिवार को सुकमा जिले के मानकापाल में निर्माण कार्यों का भूमिपूजन करते कहा कि भूपेश सरकार गांव, गरीब और किसानों के साथ है।

उन्होंने 5.60 लाख के दो सीसी सड़क, 199 लाख का बालक आश्रम, 18 लाख का आश्रम भवन और बाउंड्रीवाल, 686 लाख की लागत का मानकापाल सड़क, गोंडापल्ली से प्रयास तक 17.35 किमी सड़क निर्माण जिसकी लागत 1080 लाख की है, मानकापाल से नागलगुंडा के बीच 90 लाख का पुलिया निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। 100 सीटर आश्रम भवन मानकापाल का भूमिपूजन करते कहा कि गांव के गरीब बच्चे शिक्षा से वंचित न होने पाए यह सोचकर गांव-गांव में स्कूल तो खुल ही रहे हैं साथ ही आश्रम इसलिए बनाया जा रहा है ताकि गरीब बच्चे आश्रम में रहकर सारी सुविधाओं के साथ अच्छे से पढ़ाई कर सकें। घर में रहने से बच्चे ठीक से पढ़ाई नहीं कर पाते क्योंकि उन्हें घर का काम भी करना पड़ता है। गाय, बैल चराना और खेत में काम करना जरूरी रहता है। लेकिन आश्रम में रहने से पूरा ध्यान पढ़ाई में होता है इससे सरकारी नौकरी और अन्य सेवाओं में बढ़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने पालकों से बच्चों को स्कूल भेजने और जिस क्लास तक बच्चे पढ़ना चाहते हैं उन्हें पढ़ाने की बात कही। क्योंकि होशियार बच्चों को डाक्टर, इंजीनियर, कलेक्टर, एसपी बनने के लिए सरकार ने पूरी व्यवस्था की है। आगे का पूरा खर्च सरकार उठा रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सोच है कि आदिवासी क्षेत्र के बच्चे आगे बढ़कर देश-प्रदेश की सेवा में योगदान दें।

सीपीआई के 60 लोगों ने थामा कांग्रेस का हाथ

मानकापाल में जब लखमा ने 20 करोड़ 11 लाख से अधिक के कार्यों का भूमिपूजन कर सौगात दी उस दौरान गुफ्ही, मानकापाल और कुच्चरास के 60 सीपीआई के लोगों ने कांग्रेस का दामन थामा। सीपीआई पर बरसते लखमा ने कहा कि वे लोग जल, जंगल, जमीन की बात कहकर केवल आदिवासियों को गरीबी में ही देखना चाहते हैं। आज कांग्रेस शासन में गांव-गांव में सड़क, पुल-पुलिया, अस्पताल, स्कूल, आश्रम, बिजली, पानी सभी तरह की सुविधाओं के काम हो रहे हैं।

खास-खबर

नौकरी लगाने के नाम पर लाखों की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर (ए)। जगदलपुर की दो युवतियों को एनएमडीसी में नौकरी लगाने के नाम पर एक युवक ने 2 लाख रुपए ठग लिए। ठगी का अहसास होने के बाद बोधघाट थाना में मामला दर्ज कराया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि थाना बोधघाट पुलिस को प्रार्थिया यशोदा बघेल ने बताया कि आरोपी सुभोजित सरकार जो युवतियों से पहले से पहचान था एवं अपने आप को एनएमडीसी में काम करना एवं उच्च अधिकारियों से जान पहचान होना बताता था। 4-5 माह पूर्व आरोपी युवक ने प्रार्थिया यशोदा बघेल एवं उसकी सहेली सविता किस्सपोटा को एनएमडीसी में नौकरी लगवा देने की बात पर दोनों से 1 लाख 48 हजार एवं 1 लाख 5 हजार रूपया फोन पे के माध्यम से कुल रकम 2 लाख 53 हजार रूपये ले लिया, जब 4-5 माह बीतने पर भी इन युवतियों को नौकरी नहीं मिली तो इन्होंने अपने रकम की मांग की तो आरोपी युवक बहाने बनाने लगा एवं अपना फोन बंद कर दिया। दोनों युवतियों ने थाना बोधघाट में रिपोर्ट दर्ज कराई। बोधघाट पुलिस द्वारा मामले को संज्ञान में लेकर 420 भादवि का मामला दर्ज कर जांच में लिया गया। थाना प्रभारी बोधघाट निरीक्षक दिलबाग सिंह ने टीम गठित कर आरोपी की तलाश के लिए टीम लगाया। आरोपी युवक का भिलाई में होना पता चलने पर दुर्ग पुलिस की मदद से आरोपी सुभोजित सरकार (26 वर्ष) मेन मार्केट किरंदुल दन्तेवाड़ा को गिरफ्तार कर 5 अगस्त को न्यायालय में रिमाण्ड हेतु पेश किया गया।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने ट्रैक्टर को मारी टक्कर, एक की मौत

बिलासपुर (ए)। रतनपुर क्षेत्र के बेलतरा के पास तेज रफ्तार ट्रेलर के चालक ने रांग साइड में आकर ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। इससे ट्रैक्टर सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, हादसे में तीन लोग घायल हो गए। घटना की सूचना पर पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। इधर हादसे के बाद ट्रेलर का चालक वाहन छोड़कर मौके से भागने की कोशिश कर रहा था। आसपास के लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज जिला अंतर्गत घुरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम ततारगंज में रहने वाले नागेंद्र शुक्ला कंस्ट्रक्शन कंपनी में काम करते हैं। उनकी कंपनी बिलासपुर-अंबिकापुर हाईवे में निर्माण कार्य कर रही है। शुक्रवार को चैतमा पाली रोड में मार्किंग का काम करवा रहे थे। काम के बाद रात करीब 10 बजे वे ट्रैक्टर में अपने साथियों अनिल यादव, भोलानाथ शुक्ला, रूपेश और अनुराग द्विवेदी के साथ के कंपनी के ऑफिस लौट रहे थे। ट्रैक्टर को नागेंद्र चला रहे थे। इंजन में नागेंद्र के साथ अनुराग द्विवेदी, अनिल यादव और भोलानाथ शुक्ला बैठे थे। रुपेश ट्राली में था। जाली मोड़ के पास तेज रफ्तार ट्रेलर रांग साइड से उनकी ओर आ रहा था। इसे देख नागेंद्र ने लाइट जलाकर ड्राइवर को इशारा किया। इसे अनदेखा कर ड्राइवर तेजी से वाहन चलाते हुए ट्रेलर के इंजन को टक्कर मारते हुए आगे बढ़ गया।

सीआईएसएफ के आईजी पर भतीजी को बंधक बनाने का आरोप पीड़िता ने मौसी को लिखा पत्र, एसपी की मदद से हुआ रेस्क्यू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के आईजी द्वारा अपने ही भतीजी को बंधक बनाकर उसे परेशान किए जाने का मामला सामने आया है। इस मामले में आईजी की भतीजी ने खुद अपनी मौसी को पत्र लिखकर सूचना दी। मामले की जानकारी पटना के महिला विकास मंच के लोगों को लगी तो वे भिलाई पहुंचे और दुर्ग एसपी शलभ सिन्हा से मदद से बच्ची का रेस्क्यू कर लिया गया। इसके बाद बच्ची को सखी सेंटर भेजा गया। रविवार को भतीजी को महिला विकास मंच के सदस्यों के साथ पटना भेज दिया जाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार महिला विकास मंच के सदस्यों ने जानकारी दी है कि बच्ची के माता पिता की मौत हो चुकी है। इसके बाद से वह अपने चाचा यानी आईजी संजय प्रकाश के यहां पिछले एक साल से रह रही थी। शुरुआत में सबकुछ सही था लेकिन कुछ महीनों से बच्ची अपनी मौसी अनीता शर्मा को सोशल मीडिया के माध्यम से मैसेज कर रही थी कि उसके चाचा उसे कहीं निकलने नहीं दे रहे हैं। एक तरह से उसे बंधक की तरह रखा गया और जल्द यहां से छुड़ाने की बात की। इसके बाद दानापुर बिहार निवासी बच्ची की मौसी अनीता शर्मा पटना में महिला विकास मंच के पास पहुंची सारी बात बताई। जिसके बाद संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुणिमा कुमारी, संरक्षक वीना मानवी और उपाध्यक्ष फहीमा खातून दुर्ग पहुंचे। पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा से मिलकर पूरी जानकारी उन्हें दी गई। एसपी शलभ सिन्हा के सहयोग से महिला मंच की टीम सीआईएसएफ के आईजी निवास पर पुलिस के साथ पहुंची। पुलिस की मौजुदगी में बच्ची की काउंसलिंग हुई और बच्ची को सखी सेंटर भिजवा दिया हैं।

इस पूरे मामले में प्रापर्टी का विवाद सामने आया है। बच्ची के पिता बैंक मैनेजर थे और जमीदार परिवार से थे। माता पिता के मौत के बाद इकलौती संतान 22 साल की लड़की को उसके चाचा पिछले वर्ष अपने घर सीआईएसएफ कैंपस उतई ले आए। इसके बाद से यह प्रॉपर्टी विवाद चला आ रहा था। महिलरा मंच के सदस्यो ने बताया कि माता पिता के मौत के बाद जो बच्ची के हिस्से की संपत्ति थी। वह संपत्ति को किसी को नहीं होने देना चाहती है। बच्ची ने बताया कि उसे घर में ही रखा जाता था और बकायदा निगरानी बनाने के लिए तमाम तरीके अपनाए जाते हैं।

एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने बताया कि पटना से महिल विकास मंच के सदस्यों ने बताया था कि सीआईएसएफ के आईजी संजय प्रकाश ने अपनी भतीजी को बंधक बना रखा है। सूचना के बाद आईजी संजय प्रकाश से संपर्क किया गया। उन्होंने पुलिस के सामने काउंसलिंग कराने की बात कही। इसके बाद महिला विकास मंच के सदस्यों व पुलिस की मौजूदगी में काउंसलिंग हुई और बच्ची अपनी मौसी के पास जाने को तैयार है। शनिवार को बच्ची को सखी सेंटर में रखा गया। अब उसे बिहार भेज दिया जाएगा।

एंबुलेंस की चपेट में आया साइकिल सवार युवक, अस्पताल पहुंचने से पहले हो गई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

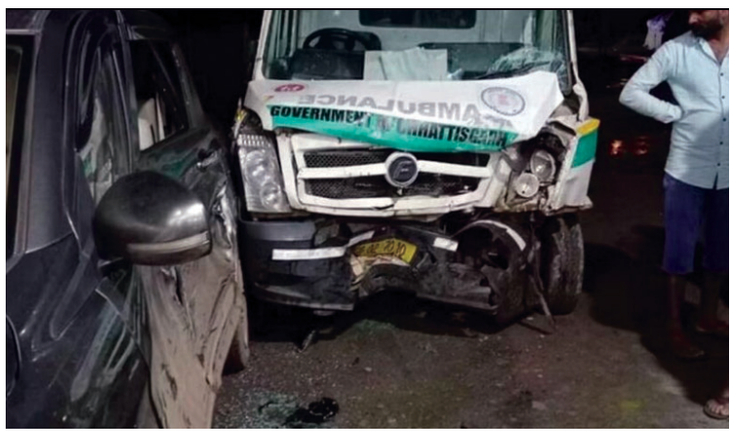

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में शुक्रवार की रात को बड़ा हादसा हो गया। यहां केशलूर के पास शुक्रवार की रात को एक तेज रफ्तार 108 एंबुलेंस के चालक ने साइकिल सवार ग्रामीण युवक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को मेकाज ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शनिवार की सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौप दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार परपा थाना क्षेत्र के केशलूर में बीती रात पंडरीपानी हाई स्कूल पारा निवासी ग्रामीण मनसुखा पिता कुमाराम 29 वर्ष शुक्रवार की रात अपने साइकिल पर सवार होकर केशलूर की ओर जा रहा था कि तभी जगदलपुर से तोकापाल की ओर जा रही 108 की वाहन ने ग्रामीण को टक्कर मार दी। जिससे ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए मेकाज ले गए। जहां उसने दम तोड दिया। वहीं, आरोपी वाहन चालक ने सड़क किनारे गाड़ियों को भी टक्कर मारी। वहीं, घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपी वाहन को जब्त कर लिया है।

सड़क पर खड़ी गाड़ियों से डीजल चुराने वाला गैंग पकड़ाया, 1100 लीटर से ज्यादा डीजल जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में डीजल चोरी करने वाले शातिर चोर पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। जिले की बलौदा पुलिस ने चार चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से 1190 लीटर डीजल जब्त किया है जिसकी कीमत एक लाख रुपए से ज्यादा की बताई जा रही है। शातिर चोर शहर के आउटर में खड़ी गाड़ियों को निशाना बनाते थे। बलौदा पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेज दिया है।

बलौदा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शहर में लगातार खड़ी गाड़ियों से डीजल चोरी की शिकायतें सामने आ रही थी। शिकायतों के बाद पुलिस ने टीम बनाकर ऐसे चोरों पर नजर रखना शुरू किया। इस बीच मुखबिर के जरिए पुलिस को पता चला कि कुछ लोग अवैध रूप से डीजल बेचने का काम कर रहे थे। शक के आधार पर पुलिस ने दबिश देकर चार शातिरों को हिरासत में लिया। पुलिस पूछताछ में इन लोगों ने खड़ी गाड़ियों से डीजल चुराकर बेचने की बात मानी।

बलौदा पुलिस ने बुडगहन निवासी कृष्ण कुमार के पास से 350 लीटर डीजल किमती 35,000 रुपए, पनोरा पारा निवासी के पास, 260 लीटर डीजल किमती 26,000 रुपए, शत्रुहन के पास से 280 लीटर डीजल किमती 28000 तथा विनोद कुमार के पास से 300 लीटर डीजल किमती 30, 000 रुपए जब्त किया है। उक्त कार्रवाई में साईबर सेल प्रभारी निरीक्षक मनीष परिहार, उप निरीक्षक सुरेश कुमार ध्रुव, थाना प्रभारी बलौदा उप निरी. गोपाल सतपथी, एएसआई कौशल सिदार, प्रधान आरक्षक जगदीश अजय, मुकेश यादव, प्रीतम सिंह कंवर, आरक्षक हेमंत साहू का सराहनीय योगदान रहा।

बुजुर्ग दंपति की घर के अंदर मिली लाश बदबू उठी तो ग्रामीणों ने बुलाई पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के ग्राम पंचायत लैंगा के आश्रित ग्राम छेरका बांध में एक मकान में बुजुर्ग दंपति की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतकों का शव दो दिन पुराना बताया जा रहा है। बदबू उठने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना जिले के पसान थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी से ग्राम पंचायत लैंगा के आश्रित ग्राम छेरका बांध मोहल्ले में प्रधानमंत्री आवास में निवासरत सुनाराम धनवार उम्र 55 वर्ष व उसकी पत्नी सुकवारीन धनवार की संदिग्ध अवस्था मे घर के भीतर लाश मिली है। ग्रामीणों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि दोनों अकेले ही घर पर रहा करते थे। दो दिन से ग्रामीणों ने इन दोनों को नहीं देखा था।

इस बीच शुक्रवार को कुछ ग्रामीण सुनाराम के घर पहुंचे और दरवाजा खोला तो पति पत्नी मृत हालत में जमीन पर पड़े दिखे। शव से बदबू आ रही थी। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों को कोई बच्चा नहीं है। फिलहाल पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह सामने आ सकती है।

कॉलेज हॉस्टल में छात्र ने की खुदकुशीः फेल होने से था परेशान, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में बीएससी छात्र ने फेल होने पर फंसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वही साइंस कॉलेज दुर्ग में बीएससी सेकंडियर की पढ़ाई कर रहा था। जैसे ही छात्र को पता चला कि वह फेल हो गया है उसने कॉलेज से लौटने के बाद रूम में फांसी लगा ली। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची मोहन नगर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोहन नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक गरियाबंद जिले के रानीपार देवाछुरा गांव निवासी खिलेशानंद निषाद बीएससी सेकंड ईयर का छात्र था। वह दुर्ग में रहकर बीएसपी कर रहा था और ब्वायज हॉस्टल में रहता था। वह बीएससी सेकंडियर में दो विषयों में फेल हो गया था जिसके कारण वह काफी परेशान था। गुरुवार सुबह वो कॉलेज गया और वहां से शाम को हॉस्टल लौटा। इसके बाद वो अपने कमरे में गया और फंखे से फंदा बनाकर उसमें झूल गया।

साथी छात्रों ने देखा कि कमरे का दरवाजा खुला हुआ है और अंदर खिलेशानंद की लाश फंदे से लटकी हुई है। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मोहन नगर पुलिस ने शव को फंदे से उतारा और पीएम के लिए भेजा। पुलिस ने परिजनों को भी सूचना दे दी। दूसरे दिन परिजन दुर्ग पहुंचे। पुलिस इस मामले में साथी छात्रों से पूछताछ कर रही है। शुरुआती जांच में आत्महत्या का कारण दो विषयों में फेल होने को ही माना जा रहा है।

पुलिस की कार्रवाईः शीमर्स क्लब का मालिक रेस्तरां की आड़ में चला रहा था क्रिकेट सट्टे का नेटवर्क, गिरफ्तार

रायपुर (ए)। क्रिकेट सट्टा चलाने वाला शीमर्स क्लब का मालिक नितिन मोटवानी पकड़ा गया। पुलिस ने शुक्रवार रात उसे गिरफ्तार करने के बाद लंबी पूछताछ की। उसके मोबाइल और क्लब में मिले लैपटॉप की जांच के बाद जुआ-सट्टा एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे शनिवार की शाम कोर्ट पेश किया गया। कोर्ट से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस को इनपुट मिला है कि आरोपी मोटी रकम लेकर सट्टे का? लिंक बेचता था। उसने रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़ के खाइवालों का सिंडीकेट बनाया है। वे उसके लिए सट्टे की कटिंग लेते थे।

पुलिस उसके सिंडीकेट की तलाश कर रही है। हालांकि क्राइम डीएसपी की टीम ने चार लोगों को हिरासत में लिया था। उनसे रातभर पूछताछ की गई। शनिवार की सुबह अचानक तीन को छोड़ दिया गया। पंडरी थाना में सिर्फ एक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस अफसरों ने बताया कि पाम बेलाजियो निवासी नितिन मोटवानी का विधानसभा इलाके में शीमर्स क्लब है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नितिन रेस्तरां कारोबार के आड़ पर सट्टे का नेटवर्क चला रहा है। वह मोटी रकम लेकर सट्टा खेलने के लिए लिंब बेचता है। उसके साथ रायपुर का नवीन बत्रा व अजय जैन, रायगढ़ का सोनू, दीपक, करण व उनके साथी काम करते हैं। पूछताछ में आरोपियों के नाम का खुलासा हुआ है। पुलिस की टीम उनकी तलाश में जुटी है। इधर, देर रात बैरनबाजार से सागर जैन को गिरफ्तार किया गया है।

बिलासपुर पुलिस ने शुक्रवार को छापा मारकर दिल्ली बराड़ी के रमेश सिंह को गिरफ्तार किया। उसने स्वर्णभूमि के सनी पृथ्वानी का नाम बताया। पुलिस ने छापा मारकर उसे भी पकड़ लिया। पृथ्वानी गिरोह का सरगना है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

जनता तथा समाज सेवा में समर्पण का दूसरा नाम ताम्रध्वज

> कंधे से कंधा मिलाकर विकास को गति प्रदान करने एवं हाथ से हाथ मिलाकर रिश्ता मजबूत बनाने की हमेशा कोशीश करता हूं।
> - ताम्रध्वज साहू

कड़ी मेहनत, लगन और निष्ठा के बल पर प्रदेश को नई उचाईयों पर ले जाने वाले छत्तीसगढ़ के गृह, लोक निर्माण, पर्यटन, धार्मिक न्यास और कृषि विकास मंत्री ताम्रध्वज साहू का आज **75वां जन्मदिवस** है

पंच, सरपंच, विधायक, सांसद से लेकर कैबिनेट मंत्री तक का सफर

पंच के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की और उनके उत्कृष्ट कार्यों से प्रभावित होकर मातरोडीह के सरपंच परमेश्वर दाऊ ने अपने पद से इस्तीफा देकर ताम्रध्वज साहू को सरपंच पद सौंप दिया. 6 अगस्त 1949 को ग्राम पतोरा विकासखंड बेरला जिला बेमेतरा में मोहनलाल साहू के वहां जन्मे ताम्रध्वज साहू ने जनसेवा को अपना उद्देश्य बनाकर अपने राजनीतिक पारी की शुरुआत की और लगातार ऊंचाइयों पर चढ़ते रहे और सफलता हासिल की. उन्होंने जिला रामायण सेवा समिति का गठन किया और उसके अध्यक्ष रहे. सरपंच के बाद जनपद सदस्य निर्वाचित हुए फिर सहकारी विपणन समिति के अध्यक्ष बने. साहू समाज को संगठित करने का भी श्रेय उन्हें जाता है. वे 1990 से 1993 तक जिला साहू संघ दुर्ग के अध्यक्ष रहे और 1993 से 2001 तक छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के भी अध्यक्ष रहे. 1998 से 2008 तक धमधा विधानसभा क्षेत्र के दो बार विधायक निर्वाचित हुए 2008 से 2013 तक बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक बने. 2000 से 2003 तक नवगठित छत्तीसगढ़ राज्य में राज्य मंत्री के रूप में उन्होंने कार्य किया. 18 मई 2014 को दुर्ग लोकसभा से सांसद निर्वाचित हुए. श्री साहू छत्तीसगढ़ के 11 लोकसभा सीट में एकमात्र दुर्ग से जीतने वाले कांग्रेस के सांसद थे. 2018 में दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से एक बार फिर विधायक चुने गए और आज छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन गृह, लोक निर्माण मंत्री के रूप में कार्यरत हैं. वे मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के उपाध्यक्ष भी रहे. कांग्रेस संगठन के महत्वपूर्ण पदों पर रहने का सौभाग्य भी उन्हें मिला है. वर्तमान में अखिल भारतीय कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री, मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस के उपाध्यक्ष, मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के संगठन मंत्री जैसे पदों पर भी रहकर उन्होंने कांग्रेस की सेवा की है. श्री साहू 2 वर्ष की उम्र में ही ग्राम बासीन विकासखंड गुरुर जिला बालोद आ गए थे.

पूरी स्फूर्ति एवं गर्मजोशी के साथ मुस्कुराते हुए समाज एवं जनता के सेवा में समर्पित

अपने दुर्ग विधानसभा क्षेत्र से बहुत लगाव है नियमित तौर पर क्षेत्र का दौरा करते है और क्षेत्रवासियों की समस्याओं का निराकरण करते है।

शुरू से ही सामाजिक कार्यों में इनकी सक्रियता रही है. सभी सामाजिक प्रमुखों और पदाधिकारियों से समय-समय पर चर्चा करते रहते हैं, उनकी मांगों और उनके द्वारा सुझाये विकास कार्यों में पूरा सयोग देते हैं.

अपनी प्राथमिक शिक्षा शासकीय प्राथमिक शाला ग्राम बासीन एवं माध्यमिक शिक्षा ग्राम धनेली एवं नवमी से 11वीं तक शासकीय स्कूल दुर्ग में ग्रहण की. उसके बाद साइंस कॉलेज दुर्ग में अध्ययनरत रहे. नाना जी के देहावसान हो जाने पर कालेज की पढ़ाई छोड़कर ग्राम वापस चले गए, फिर कार्य करते रहे. सन 1975 में ग्राम पउवारा आ गए जहां पर कृषि कार्य करते हुए नवयुवक मंडल का गठन कर अध्यक्ष निर्वाचित हुए सन 1975 में पकवारा के पंच का चुनाव लड़े और निर्विरोध जीत हासिल की. उस समय 5 गांव का पंचायत होता था जिसमें परमेश्वर दाऊ मातरोडीह के सरपंच से जिन्होंने ताम्रध्वज साहू की उत्कृष्ट कार्यशैली को देखकर स्वयं सरपंच पद से त्यागपत्र देकर ताम्रध्वज साहू को सरपंच बना दिया. यहीं से श्री साहू के राजनीतिक जीवन की शुरुआत हुई फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा सत्ता और संगठन के उच्च पदों पर आसीन होते हुए आज छत्तीसगढ़ शासन के प्रमुख मंत्री के रूप में कार्य कर रहे हैं.

पारिवारिक सदस्य के रूप में लोगों के सुख दुख का साथी

जनसेवा उम्र की मोहताज नहीं, यदि लोगों की सेवा करने की ठान ली जाए तो कुछ भी नामुमकिन नहीं; ऐसे ही एक शक्स हैं ताम्रध्वज साहू; सरल स्वभाव, मिलनसार और जिंदादिल व्यक्तित्व के धनी, 75 वर्ष की आयु में भी उनका अधिकतम समय स्फूर्ति और गर्मजोशी के साथ मुस्कुराते हुए समाज एवं जनता की सेवा में समर्पित है l लोगों के सुख दुख में कंधे से कंधे मिलाकर चलने वाले, जिनसे मिलने के लिए प्रदेश के किसी भी कोने से कोई व्यक्ति जाता है, तो किसी भी प्रकार रोक-टोक और रुकावट नहीं है। आम आदमी सादे कागज पर भी अपनी परेशानी लेकर आता है तो उसका समाधान किया जाता है। लोग खुशी खुशी वहां से जाते हैं। एक जिंदादिल व्यक्ति की तरह लोगो के साथ वे मिलते हैं। अगर कहीं कोई बात हो, कोई समस्या, तो वे बताते है कि आप ऐसा कीजिए, ताकि आपका काम आसानी से पूरा हो जाए। वे औपचारिकताओं पर विश्वास नहीं रखते। सबसे बड़ी बात है कि अगर उन्हें समस्या समाधान के लिए कोई आवेदन देता है, तो वे उसका फॉलोअप खुद लेते हैं। वे देखते हैं कि जिसको उन्होंने आश्वासन दिया है, उसका काम हुआ या नहीं। अगर नहीं हुआ तो क्यों नहीं हुआ, इस बात की जानकारी उस आदमी को जरूर दी जाती है जिसका काम होना है। अपने लोगों को वे मायूस नहीं करते जो काम हाथ में लेते हैं उसे पूरा करके ही छोड़ते हैं। उनका एक पहलू ये भी है कि अपने विधासनभा क्षेत्र के लोगों के साथ और उनके बीच ज्यादा से ज्यादा समय व्यतीत करना उन्हें बहुत पसंद है । सप्ताह में अगर वे अपने क्षेत्र नहीं गए, तो उन्हें खुद बेचैनी होने लगती है, उन्हें कुछ अधूरा लगने लगता है की मैं क्या भूल गया हूं और वे अपने लोगों से कहने लगते हैं, बहुत दिन हो गए वहां गए। लोगों से मिलने, सामाजिक समारोह में, शादी समारोह में जाने पर वे छत्तीसगढ़िया पारंपरिक भोजन पसंद करते हैं। वे अपने प्रदेश के विकास व जनता के प्रति समर्पण के भाव से जुड़े हैं।

आत्मीय व्यवहार एवं सरल स्वभाव है इनकी पहचान

मुस्कुराते चेहरों की यह तस्वीरें अपनेपन को बयां करती है

जो कहा सो किया : रिसाली नगर निगम, सड़क, पुल, स्कूल

क्षेत्र की बड़ी उपलब्धियॉ

नगर निगम रिसाली - आंगनबाड़ी भवन, सामु भवन, बोर खनन, डामरीकरण, यात्री प्रतिक्षालय, सिटी डायग्नोस्टिक सेंटर, उद्यान निर्माण, खेल मैदान, जिम भवन, 30 बिस्तर अस्पताल, विधुतीकरण, मंच, मंदिर मरम्मत, नाली निर्माण, पुलिया, पाईप लाईन विस्तार, शाला भवन मरम्मत, स्वामी आत्मानंद स्कूल, एसएलआरएम सेंटर, तालाब जिर्णोद्धार, गौठान निर्माण, औक्सिजोन, वाटर एटीएम आदि विकास कार्य। लगभग - 141 करोड़

स्कूल शिक्षा - नगपुरा, रिसाली, उतई में स्वामी आत्मानंद स्कूल स्कूलो में आहता, मरम्मत, अतिरिक्त कक्ष, शौचालय, पेंटिंग कार्य लगभग - 5 करोड़ 21 लाख

उच्च शिक्षा - निकुम, मचांदुर एवं रिसाली में नवीन महाविद्यालय व विभिन्न संकायो के विषय प्रारंभ किया जाना। लगभग - 13 करोड़ 98 लाख

स्वास्थ्य विभाग - खुरसुल व रसमड़ा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना। बोरई में उप.स्वा.केन्द्र की स्थापना। निकुम में 10 बिस्तर अस्पताल व कर्मचारी व लेबर रूम।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी - नलकूप खनन् - दुर्ग ग्रामीण के 212 स्थानो में नलकूप खनन्। नलजल योजना -दुर्ग ग्रामीण अंतर्गत नलजल योजना विभिन्न स्थानों में कुल 72 कार्य। लगभग - 79 करोड़ 70 लाख

लोक निर्माण विभाग - विधानसभा अंतर्गत 67 स्थानो में यात्रि प्रतिक्षालय अण्डा से मिनीमाता चौक पुलगांव तक 4 लेन, महाराजा चौक से बोरसी स्कूल फोरलेन, बोरसी-हनोदा-कोड़िया-भानपुरी मार्ग, मिनीमाता चौक से अंजोरा मार्ग, सी.सी.रोड़ निर्माण, भवन व आंतरिग सड़के। चिखली-बेलौदी मार्ग में उच्चस्तरीय पुल, भानपुरी-कोड़िया मार्ग में उच्चस्तरीय पुल, अण्डा-जंजगिरी-पाउवारा नाला पर पुल, अंजोरा-चिंगरी-भरदा शिवनाथ उच्च स्तरीयपुल, अण्डा से निकुम मार्ग पर पुल, उतई-पाउवारा-जंजगिरी-अण्डा जंजगिरी नाला में उच्च स्तरीय पुल, दुर्ग-नगपुरा-करेला कोटनी में उच्चस्तरीय पुल लगभग - 04 अरब से ज्यादा

नगर पंचायत उतई - उतई नगर से विभिन्न ग्रामो तक पहुंच मार्ग, विभिन्न वार्डो मे सी.सी.रोड़, विश्राम गृह, बाई पास की सौगात, पालिका बाजार, आत्मानंद स्कूल, दानवीर तुलाराम महाविद्यालय, 30 बिस्तर आइसोलेशन कक्ष, हाट बाजार, धनवंतरी औषधालय लगभग - 141 करोड

जल संशाधन - रेस्ट हाउस मरम्मत, पिचिंग, तटबंध, व पुल निर्माण, लाईनिंग कार्य, फुटब्रीज कार्य व जलधारण क्षमता बढाये जाना। लगभग - 53 करोड़

धर्मस्व - मंदिरो के जीर्णोद्धार/मरम्मत एवं अन्य कार्यो की स्वीकृति। लगभग - 05 करोड़

मु.मं.समग्र विकास - मुख्यमंत्री समग्र ग्राम विकास योजना के तहत विभिन्न कार्य। लगभग - 09 करोड़

प्राधिकरण मद - अनुसूचित जाति विकास प्राधि. व अन्य पिछड़ा वर्ग प्राधिकरण के तहत कुल 110 कार्य लगभग - 06 करोड़

विधायक निधि/प्रभारी मंत्री मद - विधानसभा अंतर्गत सी.सी.रोड़, सामाजिक भवन, नाली, दशगात्र शेड़, शौचालय, चबुतरा, सौंदर्यीकरण, मंच, बाउंड्रीवाल, पचरी निर्माण, पेवर बलॉक, गणित पार्क, किचन शेड़, गार्डन चेयर, टाईल्स ग्रील, प्रकाश व्यवस्था, मैदान समतलीकरण, घाट निर्माण, सभाकक्ष, बाल उद्यान, आदि कार्य। लगभग 08 करोड़ 52 लाख

डी.एम.एफ. मद - विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी आदि क्षेत्र मे डी.एम.एफ. मद से कार्य। लगभग - 9 करोड़ 23 लाख

क्रेड़ा - क्रेडा अंतर्गत जल जीवन मिशन, सोलर हाई मास्क, इंदिरा गांव गंगा सोलर पंप योजना, सौर सुजला योजना अंतर्गत सोलर पम्प, सोलर पावर प्लांट, स्ट्रीट लाइट,सोलर कोल्ड स्टोरेज आदि कार्य

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950